संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 122
पृष्ठ 8
रविवार
19 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- डेंड्रफ से छुटकारा पाने....

विचार- चुनाव आयोग पर.....

खेल- चैंपियंस ट्रॉफी के लिए....

स्वामित्व स्कीम के तहत पीएम मोदी ने बांटे 65 लाख संपत्ति कार्ड, कहा-

आज का दिन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 10 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के 230 से अधिक जिलों के 50,000 से अधिक गांवों में संपत्ति मालिकों को स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित किए। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन देश के गांवों के लिए, ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए बहुत ही ऐतिहासिक है। 5 साल पहले स्वामित्व योजना शुरू की गई थी ताकि गांवों में रहने वालों का उनका कानूनी प्रमाण दिया जा सके। बीते 5 साल में लगभग डेढ़ करोड़ लोगों को ये स्वामित्व कार्ड दिए गए हैं। आज इस कार्यक्रम में 65 लाख से ज्यादा परिवारों को ये स्वामित्व कार्ड मिले हैं।

मोदी ने कहा कि 21वीं सदी की दुनिया में क्लाइमेट चेंज, पानी की कमी, स्वास्थ्य का संकट, महामारी.. ऐसी कितनी भी चुनौतियां हैं, लेकिन विश्व के सामने एक और बड़ी चुनौती रही है और ये चुनौती है– प्रॉपर्टी राइट्स की। उन्होंने कहा कि कई साल पहले संयुक्त राष्ट्र ने दुनिया के अनेक–अनेक देशों में भू–संपत्ति को लेकर एक स्टडी की थी। इस स्टडी में सामने आया कि दुनिया के अनेक देशों में लोगों के पास प्रॉपर्टी के पक्के कानूनी दस्तावेज है ही नहीं। संयुक्त राष्ट्र ने साफ कहा कि अगर गरीबी कम करनी है तो इसके लिए प्रॉपर्टी राइट्स होना बहुत जरूरी है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि पहले की सरकारों ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए। इसलिए 2014 में जब हमारी सरकार बनी, तो हमने प्रॉपर्टी के कागज की इस चुनौती से निपटने को ठानी और हमने स्वामित्व योजना शुरू की। हमने तय किया कि ड्रोन की मदद से देश के गांव–गांव में घरों की... जमीनों की मैपिंग कराई जाएगी... गांव के लोगों को उनकी आवासीय संपत्ति के कागज दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज हमारी सरकार पूरी ईमानदारी से ग्राम स्वराज को जमीन पर उतारने का प्रयास कर रही है। स्वामित्व योजना से गांव के विकास की प्लानिंग और उस पर अमल अब काफी बेहतर हो रहा है। मोदी ने कहा कि अब प्रॉपर्टी राइट्स मिलने से ग्राम पंचायतों की मुश्किलें भी दूर होंगी और वो भी आर्थिक रूप से सशक्त हो पाएंगी। इससे आपदा की स्थिति में उचित क्लेम मिलना भी आसान होगा। उन्होंने कहा कि स्वामित्व और भू–आधार... ये दो व्यवस्थाएं गांवों के विकास का आधार बनने वाली हैं। भू–आधार के जरिए जमीन को भी एक खास पहचान दी गई है। करीब 23 करोड़ भू–आधार नंबर जारी किए जा चुके हैं। बीते 7–8 साल में ही करीब 98 प्रतिशत लैंड रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण किया गया है। महात्मा गांधी कहते थे– भारत गांवों में बसता है, भारत की आत्मा गांवों में हैं। पूज्य बापू के इस भाव को सही मायने में जमीन पर उतारने का काम बीते दशक में हुआ है।

नीति आयोग और एवीए ने गांवों को 'बाल विवाह मुक्त' घोषित करने के लिए मिलाया हाथ

नयी दिल्ली। नीति आयोग और एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन (एवीए) ने देश के सबसे पिछड़े क्षेत्रों में बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण और अगले एक वर्ष में 15 हजार गांवों को बाल विवाह मुक्त घोषित करने के लिए हाथ मिलाया है।

इस आशय के मंतव्य पत्र (एसओआई) पर यहां शुक्रवार देर शाम हस्ताक्षर किए गये। इसके अंतर्गत अगले दो वर्ष में 73 जिलों के आकांक्षी प्रखंडों के गांवों के आर्थिक रूप से बेहद कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए शोषण, उत्पीड़न, बाल मजदूरी या बाल विवाह दृष्टि से सुरक्षित बाल ग्राम के रूप में एक सुरक्षा घेरा विकसित किया जाएगा।

दो–वर्षीय एसओआई के अंतर्गत देश के सबसे अविकसित और संवेदनशील इलाकों में बच्चियों के सशक्तीकरण और शिक्षा के परिवेश को मजबूत करने के लिए एक समग्र और व्यापक रणनीति पर अमल किया जाएगा। बाल विवाह और बच्चों की तस्करी की निगरानी और रोकथाम के लिए सभी लक्षित गांवों में पंचायत स्तर पर लोगों की आवाजाही और विवाहों के ब्योरे दर्ज करने के लिए रजिस्टर रखे जाएंगे। स्कूल नहीं जा पाने वाले बच्चों को शिक्षा और कौशल विकास के अवसरों से जोड़ा जाएगा, जबकि हाशिये के व्यक्तियों और परिवारों को सरकारी जनकल्याण योजनाओं से जोड़ा जाएगा।

इस अवसर पर एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के कार्यकारी निदेशक धनंजय टिंगल ने कहा कि साझा प्रयासों से हमारा लक्ष्य वर्ष 2025 के अंत तक इन प्रखंडों को बाल विवाह मुक्त बनाना है। नीति आयोग जिला, ब्लॉक और गांव स्तर पर राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों और अन्य प्रमुख पक्षों के साथ सहयोग करेगा।

केजरीवाल के नामांकन पर बीजेपी ने उठाए सवाल

प्रवेश वर्मा का दावा- दी गई गलत जानकारी

नई दिल्ली। विधानसभा सीट से दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नामांकन के खिलाफ बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने शिकायत दर्ज कराई है। कई चिंताओं को उठाते हुए, शिकायत में आय विसंगतियों, आपराधिक मामलों का खुलासा करने में विफलता और मतदाता पंजीकरण मुद्दों को रेखांकित किया गया क्योंकि इसमें अरविंद केजरीवाल के नामांकन को रद्द करने की मांग की गई थी। शिकायत में प्रवेश वर्मा ने दावा किया कि अरविंद केजरीवाल ने अपने हलफनामे में वर्ष 2019–20, 2021–22 और 2022–23 के लिए गलत आय के आंकड़े बताए क्योंकि आम आदमी पार्टी (आप) नेता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में गलत वेतन दिखाया था। उनके नामांकन में कहा गया है कि कहा गया है कि दिल्ली के मंत्री के रूप में उनका वास्तविक वेतन (2011 से 2023 तक) 20,000 रुपये प्रति माह और दैनिक भत्ते और अन्य लाभ होना चाहिए था। शिकायत में अरविंद केजरीवाल के भाग संख्या में मतदाता पंजीकरण पर भी सवाल उठाया गया। नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के 52 (क्रम संख्या 709) और आरोप लगाया कि ष्उनका वोट गाजियाबाद, कौशांबी सहित कई स्थानों पर दिखाई देता है। इसके अलावा, परवेश वर्मा ने शिकायत में कहा कि अरविंद केजरीवाल नॉर्थ एवेन्यू पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ दर्ज चार एफआईआर के विवरण का खुलासा करने में विफल रहे, जिसके कारण उनका नामांकन खारिज कर दिया जाना चाहिए।

हत्या के दोषी को उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली। कौशांबी जिले की एक अदालत ने हत्या के आरोपी एक व्यक्ति को शुक्रवार को दोषी ठहराते हुए सश्रम आजीवन कारावास और 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता संजय कुमार मिश्रा ने बताया कि 24 दिसंबर 2005 को जिले के सैनी क्षेत्र में रामकुमार यादव के बेटे राम सुमेर यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। इस मामले में एक उच्चतम माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य राम सिंह के बेटे तेज सिंह के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि राम सिंह का अपने बेटे तेज सिंह से विवाद रहता था। सुमेर यादव राम सिंह के इंटर कॉलेज में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी था। सिंह जब कहीं आते–जाते थे, तो यादव को साथ ले जाते थे।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने संगम में लगाई डूबकी

प्रयागराज। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी और पार्टी के अन्य नेताओं के साथ त्रिवेणी संगम पर पवित्र अनुष्ठानों में भाग लिया और गंगा आरती की। उनकी यात्रा चल रहे महाकुंभ मेले के साथ मेल खाती है, जो एक भव्य आध्यात्मिक सभा है जो अपने छठे दिन में प्रवेश कर चुकी है। त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने के बाद राजनाथ ने कहा कि मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि ऊपर वाले ने मुझे यह मौका दिया है। आज संगम में स्नान करके मुझे बहुत संतुष्टि महसूस हो रही है। यह पर्व भारतीय संस्कृति एवं सनातन धर्म के आध्यात्मिक अनुभव का पर्व है, जो प्राचीन वैदिक खगोलीय घटना पर आधारित है। राजनाथ ने कहा कि यह सनातन धर्म के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक पहलू के साथ–साथ सामाजिक समरसता के साथ गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है। जिस तरह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व की सबसे बड़ी जन सभा का कुशलतापूर्वक संचालन किया, उसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। मैं हृदय से इसके लिए उन्हें बधाई देता हूं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी 18 जनवरी को मेले का दौरा करने का कार्यक्रम है। अपनी यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री सुरक्षा प्रोटोकॉल सहित व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे, ताकि इसमें शामिल होने वाले लाखों भक्तों के लिए कार्यक्रम के सुचारू संचालन को सुनिश्चित किया जा सके। वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजनों में से एक, महाकुंभ में शुभ श्अमृत स्नानश के लिए आने वाले भक्तों की संख्या में वृद्धि देखी गई है।

बिहार में बोले राहुल गांधी, संविधान सिर्फ किताब नहीं, इसमें हिंदुस्तान की सोच

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बिहार में हैं। पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन में बोलते हुए राहुल ने कहा कि हम चाहते थे कि जैसे हर जगह गंगा का पानी बहता है, वैसे ही संविधान की विचारधारा भी देश के हर व्यक्ति, हर संस्था तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि भारत को आजादी 15 अगस्त 1947 को नहीं मिली थी। अगर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत कह रहे हैं कि भारत को आजादी 15 अगस्त 1947 को नहीं मिली तो वह भारत के संविधान को खारिज कर रहे हैं। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर कड़े तेवर जारी रखते हुए राहुल ने कहा कि वह भारत के हर संस्थान से डॉ. बीआर अंबेडकर, भगवान बुद्ध, महात्मा गांधी की विचारधारा को मिटा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान में कहां लिखा है कि भारत की सारी संपत्ति केवल दो या तीन लोगों के हाथों में जानी चाहिए। आज के भारत में विधायकों और सांसदों के पास कोई शक्ति नहीं है। जब मैं बीजेपी के उन सांसदों से मिलता हूं जो पिछड़े समुदाय से हैं, दलित हैं, आदिवासी हैं तो वो कहते हैं कि हमें पिंजरे में बंद कर दिया गया है। राहुल ने कहा कि जैसे हमारा संविधान इस हॉल के कोने–कोने तक पहुंच गया। वैसे ही हम संविधान को हिंदुस्तान के कोने–कोने तक पहुंचाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान सिर्फ किताब नहीं है। इस किताब में हजारों साल की सोच है। इसमें हिंदुस्तान की सोच है। इस संविधान में भगवान बुद्ध, नारायण गुरु जी, बसवन्ना जी, फुले जी, गांधी जी, अंबेडकर जी की आवाज है। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, इसमें दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों के साथ हुए अन्याय का दुख–दर्द भी है। हमारे संविधान ने इस दर्द को कम करने का काम किया है।

राहुल ने कहा कि हम जाति जनगणना की अपनी मांग पर कायम रहेंगे, यह विकास योजनाओं के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों और दलितों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व तो मिला लेकिन उनके पास कोई शक्ति नहीं है।

ट्यूनीशियाई, इटली के संसदीय नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

ट्यूनिस। ट्यूनीशियाई संसद के अध्यक्ष इब्राहिम बौडरबाला ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए शुक्रवार को यहां इटली के सीनेट अध्यक्ष इग्नाजियो ला रूसा से मुलाकात की है। ट्यूनीशियाई संसद के एक बयान के अनुसार मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने ट्यूनीशिया और इटली के बीच मजबूत संबंधों की प्रशंसा की तथा ऐतिहासिक और भौगोलिक संबंधों को रेखांकित

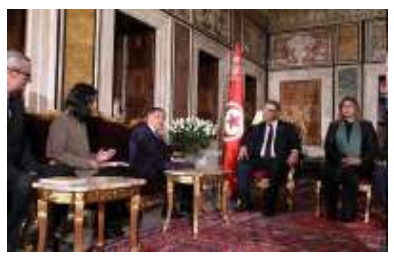

किया जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में घनिष्ठ सहयोग को बढ़ावा दिया है तथा सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से हाल के तंत्र और रणनीतियों पर प्रकाश डाला। बयान में कहा गया है कि यह मुलाकात सांसदों के बीच दौरों और बैठकों को बढ़ाकर और अनुभवों एवं विशेषज्ञता को साझा करके सहयोग और दोस्ती को गहरा करने पर केंद्रित थीं। बयान के अनुसार बैठक में अवैध आप्रवासन से निपटने के प्रयासों सहित साझा चिंताओं पर भी चर्चा की गई तथा दोनों पक्षों ने भूमध्यसागरीय देशों की सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए द्विपक्षीय और बहुपक्षीय स्तरों पर समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने इसके मूल कारणों को संबोधित करके और सतत विकास को बढ़ावा देकर अवैध आप्रवासन से निपटने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण का आह्वान किया।

साध्वी वेश में संगम की रेती पर घूमती नजर आई हर्षा, कैलाशानंद को महाकुंभ से बाहर करने को उठी आवाज

प्रयागराज। भगवा चोला ओढ़कर संन्यासिनी बनने का ढोंग फैलाने के आरोपों के बाद निरंजनी अखाड़े के आचार्य शिविर से आंखों में आंसू लेकर लौटने का दावा करने वाली मॉडल हर्षा रिछारिया शुक्रवार को महाकुंभ मेले में घूमती नजर आईं। वह सेक्टर 11 के पास तस्वीरों में कैद कर ली गईं। सेक्टर 11 हर्षा के गुरु निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि के शिविर के सामने है। प्रथम अमृत स्नान में निरंजनी अखाड़े के आचार्य रथ पर हर्षा के साध्वी वेश में शाही सवारी करने का शांभवी पीठाधीश्वर स्वामी आनंद स्वरूप की ओर से विरोध किए जाने के बाद दो दिन पहले रो–रोकर महाकुंभ से वापस जाने का उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। साध्वी वेश में माथे पर त्रिपुंड और भगवा वस्त्र धारण कर महाकुंभ में शुक्रवार को मॉडल हर्षा रिछारिया गंगेश्वर पांटून पुल से आगे सेक्टर 11–12 के बीच सफेद रंग की कार पर सवार होकर निकलीं। सेक्टर 12 के पास उन्होंने गंगा दर्शन भी किया। तिलक लगाकर वह कार में मोबाइल पर चौटिंग करती रहीं। इसी दौरान छायाकारों ने उन्हें कैमरे में कैद कर लिया। हर्षा की महाकुंभ में मौजूदगी की जानकारी मिलने पर शांभवी पीठाधीश्वर आनंद स्वरूप ने निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद को महाकुंभ से बाहर कर उनका बहिष्कार करने की संत समाज के बीच आवाज उठाई। शांभवी पीठाधीश्वर ने आरोप लगाया कि कैलाशानंद को सनातन की संत संस्कृति और निरंजनी अखाड़े की परंपरा का ज्ञान नहीं है। मॉडल को भगवा वस्त्र में शाही सवारी कराकर उन्होंने परंपरा को धूमिल किया है। शांभवी पीठाधीश्वर ने बताया कि इस मामले को लेकर उन्होंने अखाड़ा परिषद और निरंजनी अखाड़े के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी से मुलाकात कर स्वामी कैलाशानंद को आचार्य महामंडलेश्वर पद से हटाने और अखाड़े से बाहर करने का आग्रह किया है। शांभवी पीठाधीश्वर ने बताया कि हर्षा की मां किरन रिछारिया ने उन्हें सुबह फोन पर बताया कि अगले महीने उनकी पुत्री की शादी होने वाली है। अपने जीते जी वह उसे कभी संन्यास नहीं लेने दे सकतीं। स्वामी आनंद स्वरूप का कहना है कि जिस मॉडल की महीने भर बाद ही शादी होने वाली हो उसे संन्यासिनी बनाकर महाकुंभ में प्रचारित करने की छूट किसी को नहीं दी जा सकती। जो महिला अभी यह भी नहीं तय कर पाई है कि उसे संन्यास की दीक्षा लेनी है या शादी करनी है, तो उसे संत– महात्माओं के शाही रथ पर जगह दिया जाना उचित नहीं है। श्रद्धालु के तौर पर शामिल होती तब भी ठीक था, लेकिन भगवा कपड़े में शाही रथ पर बिठाना पूरी तरह गलत है। –स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, शंकराचार्य, ज्योतिष्पीठ। महाकुंभ में भगवा वस्त्र पहनने और शाही रथ पर संन्यासिनी के वेश में सवार होने को लेकर उठे विवदा के बीच शुक्रवार को अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी मॉडल हर्षा रिछारिया के समर्थन में उतर आए। उन्होंने कहा कि हर्षा रिछारिया उनकी बेटी के समान हैं। उनके भगवा वस्त्र पहनने पर किसी को एतराज नहीं होना चाहिए। ऐसा नहीं है कि भगवा वस्त्र सिर्फ संत या संन्यासी ही पहन सकते हैं। महाकुंभ में सनातन धर्म को समझने के लिए आने और प्रवास करने वाले युवक–युवतियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे सनातन को और मजबूती मिलेगी ।

बाबा जी से फोन का रिश्ता आखिर क्या कहलाता है!... मोबाइल को लेकर नागा संन्यासियों के अपने-अपने तर्क

प्रयागराज। घर छूटा। परिवार छूटा। धन–दौलत छोड़ी। वस्त्र भी छोड़ा। लेकिन मोबाइल नहीं त्याग पाए। महाकुंभ में आए नागा–संन्यासी मोबाइल पर बात करते दिख जाएंगे। महाकुंभ में सबसे बड़ा आकर्षण का केंद्र अखाड़े और उनमें आए नागा संन्यासी हैं। इन्हें देखने और उनके बारे में जानने के लिए लोग उत्सुक भी रहते हैं। इस बारे में जब उनसे बात की गई तो सबके अपने– अपने तर्क थे। किसी ने कहा कि मोबाइल सांसारिक मोहमाया की वस्तु नहीं है। किसी ने कहा कि इसके द्वारा हम अपने साधु परिवार से संपर्क करते हैं। एक संन्यासी ने तो कहा कि इससे हम अपने भक्तों की समस्या सुनकर उनका समाधान करते हैं। पंच दशनाम आवाहन आखाड़ा के नागा संन्यासी आनंद गिरि कहते हैं कि फोन का इस्तेमाल जरुरी है। इससे हम अपने साधु परिवार के संपर्क में रहते हैं। यदि गुरु जी के पास जाना संभव नहीं हुआ या गुरु जी कोई संदेश देते हैं ।

तो फोन की मदद से संपर्क हो जाता है। श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी में पंजाब के मोहाली से आए नागा संन्यासी शंकर पुरी कहते हैं कि मोबाइल सांसारिक मोहमाया की वस्तु नहीं है। आज के समय में मोबाइल के बिना किसी का गुजारा नहीं है। कलयुग में टेक्नोलॉजी सब जगह आ चुकी है। बिना इसके कुछ भी संभव नहीं है। संन्यासियों के लिए भी कुछ जरूरी वस्तुएं होती है, जैसे गाड़ी और मोबाइल जिसका हम प्रयोग करते हैं। बिना गाड़ी के हम कैसे एक जगह से दूसरी जगह जाएंगे। उसी तरह मोबाइल भी हमारी सहायक होती है। श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के नागा संन्यासी कुश पुरी कहते हैं कि फोन सुख–दुख का साथी है। हमारे भक्तों को अगर कोई समस्या है तो हम कई बार उसका समाधान फोन पर ही कर देते है। किसी भक्त को यदि बिच्छू या सांप काट ले तो मैं मोबाइल से ही झाड़–फूंक कर देता हूं, जिससे भक्त को राहत मिल जाती है।

महाकुंभ में भी घूम रहे हेक्सा ब्लेड वाले चोर, आठ गिरफ्तार, सभी गोंडा के रहने वाले

प्रयागराज। मुंबई में अभिनेता सैफ अली खान पर हमले की घटना के बाद हेक्सा ब्लेड वाला चोर चर्चा का विषय बना हुआ है। अब मेले में भी ऐसा ही चोर गिरोह पकड़ा गया है, जो हेक्सा ब्लेड लेकर घूमता था। पुलिस ने ऐसे सात चोरों को गिरफ्तार किया है। ये सभी एक स्थानीय युवक की मदद से वारदातें अंजाम दे रहे थे। उसे भी पकड़ लिया गया है। दो दिन पहले भी इस गिरोह ने दो श्रद्धालुओं के मोबाइल उड़ाए थे। चोर गिरोह के सातों सदस्य गोंडा के रहने वाले हैं। जबकि, उनका मददगार पीयूष चतुर्वेदी उर्फ अमन दारागंज का निवासी है। इन्हें काली सड़क से पक्की पुलिया के रास्ते के पास से शुक्रवार भोर में चार बजे पकड़ा गया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में गिरोह के सदस्यों ने बताया कि 16 जनवरी को उन्होंने मेले में आए दो श्रद्धालुओं का मोबाइल चोरी किया था। खास बात यह है कि गिरोह के कुछ सदस्य ऐसे भी हैं, जो पूर्व में कुंभ व माघ मेले में चोरी करते हुए जेल जा चुके हैं। पकड़े गए सदस्यों में राजकुमार उर्फ लोधे, रवि प्रकाश बरुवार, बजारी लाल, पवन बरुवार, राम बरुवार, रामबिहारी, रमेश और पीयूष शामिल हैं। कोतवाली प्रभारी डीके शर्मा ने बताया कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट की अनुमति से जेल भेज दिया गया है। महाकुंभ मेले में मोबाइल, पर्स चोरी की अब तक एक दर्जन वारदातें सामने आ चुकी हैं। अरैल में यूएसए से आए श्रद्धालु का 1700 यूएस डॉलर, कैमरा, लेंस, क्रेडिट कार्ड समेत अन्य सामान भरा बैग चोरी करने की घटना बृहस्पतिवार को सामने आई थी। ज्यादातर वारदातों में मोबाइल चोरी हुआ है। संगम से लेकर अरैल घाट व मेला क्षेत्र के विभिन्न स्थलों पर ये घटनाएं हुई हैं। महाकुंभ नगर। महाकुंभ में यूएसए से आए श्रद्धालु के बैग चोरी के साथ ही अब ओमान से आई महिला श्रद्धालु व भारतीय सेना की लेफ्टिनेंट कर्नल का मोबाइल चोरी करने की घटना सामने आई है। दीप्ति वापोद्रा पत्नी जिग्नेश पी वापोद्रा प्रवासी भारतीय हैं, जो वर्तमान में ओमान में रहती हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह भोर में 4रू35 पर स्नान करने संगम घाट पहुंची थीं। इसी दौरान उनका बैग चोरी कर लिया गया। इस बैग में मस्कट का आईडी कार्ड व उनका आधार कार्ड के अलावा कुछ पैसे थे। वापस ओमान जाने के लिए आईडी कार्ड आवश्यक है। उधर, जबलपुर मिलिट्री अस्पताल में तैनात लेफ्टिनेंट कर्नल हरलीन चोपड़ा का आईफोन भी चोरी कर लिया गया। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि वह बड़े हनुमान मंदिर के पास किला महावीर रोड से जा रही थीं। इसी दौरान यह घटना हुई। कोतवाली पुलिस का कहना है कि दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है।

सेक्टर सात में डायरिया के चार मरीज

प्रयागराज। मेला क्षेत्र के सेक्टर सात में चार महिला कल्पवासियों में डायरिया के लक्षण मिले हैं। उन्हें अमृतानंदमयी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों का कहना हैं गंदे पानी के सेवन से सभी महिलाएं बीमार हुई हैं। वहीं, अमृतानंदमयी मठ के अस्पताल में सभी का निशुल्क इलाज चल रहा है। अस्पताल में 20 बेड हैं। मरीजों ने बताया डॉक्टर हरदम मौजूद रहते हैं। ज्ञान लता त्रिपाठी प्रतापगढ़ के मीराभवन की रहने वाली हैं। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर सात में महाकुंभ में कल्पवास करने आई हैं। बृहस्पतिवार रात से ही उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने अमृतानंदमयी अस्पताल में भर्ती कराया। स गोरखपुर के दोहरीघाट निवासी सरोज गुप्ता ने बताया कि बुधवार रात से उल्टी–दस्त के बाद उन्हें अस्पताल भर्ती कराया गया। जहां उसकी स्थिति में सुधार है। स रेखा शुक्ला मुंबई के वसई की रहने वाली हैं। वह परिवार के साथ कल्पवास करने आई हैं। पति कमलेश ने बताया कि सेक्टर सात में पानी में बालू आ रहा है। शुक्रवार सुबह पत्नी को अचानक उल्टी शुरू हुई तो अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के बाद हालत सुधार है।

होटल इंडस्ट्री में बूम, खान-पान के सामान की बिक्री भी बढ़ीय कारोबार में दो से तीन गुना बढ़ोतरी

प्रयागराज। महाकुंभ मेले ने प्रयागराज शहर का कारोबार दो से तीन गुना बढ़ा दिया है। सबसे ज्यादा बूम होटल इंडस्ट्री में देखने को मिला है। अधिकांश होटलों में अगले कई दिन तक कमरे खाली नहीं हैं। इतना ही नहीं खान–पान के सामान, कंबल, ऊनी कपड़ों के साथ इलेक्ट्रॉनिक सामानों की बिक्री में काफी इजाफा हुआ है। आधिकारिक रूप से महाकुंभ 13 जनवरी से शुरू हुआ है लेकिन महाकुंभ नगर में 25 दिसंबर के बाद से ही लोगों की आवाजाही बढ़ गई। देश और दुनिया के कोने–कोने से श्रद्धालु और पर्यटक प्रयागराज आ रहे हैं। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के अमृत स्नान के साथ

अब तक सात करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई है। इस वजह से शहर के व्यापार और अर्थव्यवस्था में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। तकरीबन सभी तरह के ट्रेड पूरी रफ्तार से दौड़ रहे हैं। प्रयागराज होटल एंड रेस्टोरेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह बताते हैं, बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक होटल में बुकिंग करा रहे हैं। होटल इंडस्ट्री को 30–40 फीसदी तक का मुनाफा हुआ है। आने वाले दिनों में 50 फीसदी तक मुनाफे की उम्मीद है। वहीं, कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र गोयल का अनुमान है महाकुंभ के अवसर पर 2,500–3,000 करोड़ तक का कारोबार सिर्फ होटल और टेंट सिटी आदि में हो सकता है। केंद्रीय व्यापार मंडल के महामंत्री शिव शंकर सिंह ने कहा कि एफएमसीजी प्रोडक्ट्स, ऑटोमोबाइल, सीसीटीवी कैमरा, केबल और खाने–पीने के सामान की बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई है। मकर संक्रांति स्नान तक खुदरा व्यापार में भी 20–25 फीसदी वृद्धि देखने को मिली। व्यापारियों को मौनी अमावस्या पर और अधिक बिक्री की उम्मीद है। व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मो. कादिर बताते हैं, फूड आइटम, अनाज, पूजा सामग्री, कपड़े, कंबल, गद्दे से लेकर इलेक्ट्रॉनिक सामान, टेंट के कपड़े आदि में व्यापार में दोगुना की बढ़ोतरी अब तक देखी गई है। जैसे–जैसे मेला बढ़ेगा, वैसे–वैसे वृद्धि में और इजाफा होने की उम्मीद है।

रथ पर बैठे-बैठे अचानक अचेत हुए महंत अजय, सीपीआर से मिला नया जीवनय दो और की बची जिंदगी

प्रयागराज। अगर किसी को कार्डियक अरेस्ट हो जाए तो तत्काल कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) से उसकी जान बचाई जा सकती है। इसका ताजा उदाहरण मेला क्षेत्र में सामने आया है। यहां तीन लोगों को समय रहते सीपीआर देकर जीवनदान दिया गया है। इसमें आह्वान अखाड़े के महंत अजय गिरि, महंत ननकू गिरि व एक अन्य महिला शामिल है। मकर संक्रांति के पर्व पर अमृत स्नान के लिए निकाली जा रही शोभायात्रा के दौरान आह्वान अखाड़े के महंत अजय गिरि रथ पर बैठे–बैठे अचानक अचेत हो गए। इस दौरान किसी को कुछ भी समझ में नहीं आ रहा था, कि वह क्या करें। तभी वहां से होकर गुजर रहे केंद्रीय अस्पताल के पैथोलॉजी विभाग में तैनात लैब टेक्नीशियन अजय शुक्ला ने तुरंत महंत अजय गिरि को रथ पर ही सीपीआर देना शुरू किया। इससे उन्हें होश आ गया। इसके बाद उन्हें एंबुलेंस से केंद्रीय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। दूसरा मामला केंद्रीय चिकित्सालय का है, जहां बृहस्पतिवार की शाम महिला संध्या देवी (66) को अचेत अवस्था में लाया गया। उनका शुगर लेवल बहुत कम था। इसके अलावा ऑक्सीजन लेवल भी 43 हो गया था। ऐसे में डॉ. आशुतोष यादव और उनकी टीम ने तुरंत सीपीआर देकर महिला की जान बचाई। तीसरा मामला मेला के सेक्टर दो स्थित केंद्रीय चिकित्सालय का है, जहां शुक्रवार को महंत ननकू गिरि (35) को आईसीयू वार्ड की देखभाल कर रहे डॉ. सिद्धार्थ पांडेय ने सीपीआर देकर जान बचाई। जब उन्हें अस्पताल लाया गया, तो उनकी पल्स और हार्ट बीट का कुछ पता नहीं चल रहा था। इसके बाद उन्हें करीब 12 मिनट तक सीपीआर देकर जान बचाई गई। सीपीआर की जानकारी होना सभी के लिए जरूरी है। इससे कार्डियक अरेस्ट के मरीज के दिल की धड़कन को फिर से शुरू किया जा सकता है। इसके बाद मरीज को तुरंत बेहतर उपचार मिल जाए तो उसकी जान बचाई जा सकती है।

धर्मध्वजा के नीचे पुकार संग आरंभ हुई नागा दीक्षा, 24 घंटे तप के बाद गंगा किनारे होगा संस्कार

प्रयागराज। जूना अखाड़े की चारों मढ़ियों में नागा साधु बनाने की प्रक्रिया धर्मध्वजा के नीचे पुकार के साथ आरंभ हुई। नागा बनने को इच्छुक साधुओं ने पुकार होने पर हाजिरी लगाई। गुरु के चरणों में दक्षिणा अर्पित की। शनिवार से इनकी 24 घंटे की तपस्या आरंभ होगी। 48 घंटे लंबी प्रक्रिया के बाद इन साधुओं का नागा संस्कार पूरा होगा। जूना अखाड़े की 16 मढ़ी, 13 मढ़ी, 14 मढ़ी और चार मढ़ी में नागा बनने के इच्छुक साधुओं की पुकार हुई। पुकार के साथ ही नागा साधु बनने के लिए कार्यवारी के पास अखाड़े के खाते में 5,100 रुपये की पर्ची भी कटाई। 13 मढ़ी में सर्वाधिक करीब 300 साधुओं ने पर्ची कटाई। इसी तरह अन्य मढ़ियों में भी साधुओं ने पर्ची कटाई। अखाड़े के श्रीमंहत मोहन गिरि के मुताबिक, नागा बनने के इच्छुक साधुओं ने अपने गुरु से आज्ञा ली। अब योग्य साधुओं को 24 घंटे की तपस्या करनी होगी। तपस्या पूरी होने के बाद सभी को गंगा तट पर ले जाया जाएगा। गंगा तट पर ही मुंडन, जनेऊ और पिंडदान समेत अन्य संस्कार कराए जाएंगे। श्रीमहंत के मुताबिक, यह सभी प्रक्रिया पूरी होने में 48 घंटे लगेंगे। इसके बाद इन साधुओं की नागा दीक्षा पूरी होगी। बांदा से आए कालिंदी प्रसाद ने शुक्रवार को आवाहन अखाड़े के महंत इंद्र गिरि उर्फ ऑक्सीजन वाले बाबा के सानिध्य में संन्यास धारण किया है। उन्होंने बताया कि 27 जनवरी को मुख्य ध्वजा के नीचे आचार्य पीठाधीश्वर से दीक्षा लेने के बाद नागा की पदवी मिल जाएगी। वह इस अखाड़े से 2001 से जुड़े हैं। संस्कार न होने के कारण अभी तक बाबा की पदवी नहीं मिली थी। लेकिन, अब इनका नाम संत महाकाल गिरि हो गया है। मेहंदीपुर बालाजी सेवा शिविर में बलिया के गायक चिंटू सेवक व टीम मनमोहक प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रहे हैं। शिविर में सुबह और शाम श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क भोजन प्रसाद की व्यवस्था है। महंत नरेश पुरी ने कहा कि शिविर में भक्ति, सेवा और आध्यात्मिकता का संगम है। महाकुंभ में दुनिया भर से आने लोग प्रदेश के युवाओं की बढ़ती कौशल क्षमता से भी रूबरू हो रहे हैं। अलग–अलग क्षेत्र में सफल युवा उद्यमियों के माध्यम से इसकी जानकारी दी जा रही है। परेड मैदान स्थित सेक्टर एक में कौशल विकास मिशन एक में लगे पवेलियन में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी जा रही है। इसमें जनरल ड्यूटी असिस्टेंट, ड्रोन निर्माण, मास्टर हैंड एम्ब्रॉइडर, सोलर पैनल इंस्टालेशन आदि की जानकारी दी जा रही है। एलईडी टीवी पर इसका लाइव प्रदर्शन भी किया जा रहा है।

23 जनवरी को धर्म संसद में श्रीकृष्ण जन्मभूमि को लेकर साधु-संत भरेंगे हुंकार,

प्रयागराज। सेक्टर–19 में स्थित श्रीजी बाबा नगर पंडाल में 23 जनवरी को धर्म संसद का आयोजन किया जाएगा। इसमें श्रीकृष्ण जन्म भूमि को लेकर साधु–संत हुंकार भरेंगे। धर्म संसद की अध्यक्षता फायर ब्रांड नेत्री साध्वी ऋतंभरा करेंगी। यह जानकारी हाईकोर्ट में चल रहे श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े सिविल वाद के पक्षकार दिनेश शर्मा ने दी है। उन्होंने बताया कि साध्वी ऋतंभरा, किन्नर महामंडलेश्वर स्वामी लक्ष्मी त्रिपाठी और महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज ने उनका निमंत्रण स्वीकार किया है। इनके अलावा सभी शंकराचार्यों, महामंलेश्वरों, पीठाधीश्वरों और अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष समेत छह हजार संतों को आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर रसिकानंद महाराज, बहन नारायणी, विनोद बनर्जी, सत्येंद्र साहू, मनजीत गोला, विपिन सिंह सोलंकी आदि मौजूद रहे।

ठग बोला, ई-मेल, आधार भेजिए, ऑनलाइन पेमेंट कर हेलिकॉप्टर राइड का मजा लीजिए

प्रयागराज। हैलो... सर आपको महाकुंभ में हेलिकॉप्टर राइड मिल जाएगी। इसके लिए पहले आपको आधार कार्ड, ई–मेल, मोबाइल नंबर और ऑनलाइन पेमेंट करना होगा। इसके बाद ऑनलाइन टिकट मिल जाएगा और फिर हेलिकॉप्टर राइड का मजा ले सकेंगे। इस साइबर जालसाज की पोल तब खुल गई, जब अमर उजाला के संवाददाता ने ग्राहक बनकर ठग से बात की। महाकुंभ मेले में हेलिकॉप्टर राइड शुरू होने पर देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। इसका फायदा उठाते हुए साइबर ठग फर्जी वेबसाइट और फेसबुक पर फर्जी पेज के अलावा व्हाट्सएप ग्रुप पर नंबर सर्कुलेट कर फर्जी बुकिंग के नाम पर लोगों को ठग रहे हैं। शुक्रवार को व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर हो रहे नंबर पर जब बात की गई तो उसने खुद को पवन हंस प्राइवेट लिमिटेड का एजेंट बताया। इतना ही नहीं, व्हाट्सएप स्टेटस में भी पवन हंस लिखा हुआ है, ताकि पर्यटकों को यकीन हो जाए कि यह मोबाइल नंबर हेलिकॉप्टर राइड वालों का ही है। वहीं, साइबर पुलिस की जांच में यह मोबाइल नंबर साइबर जालसाज का निकला। नंबर के आधार पर पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने नंबर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अगले सभी मुख्य स्नान पर्वों पर किला घाट से चलेंगी नावें

प्रयागराज। मौनी अमावस्या समेत शेष चार मुख्य स्नान पर्वों पर अब किला घाट से श्रद्धालु नाव से संगम तक जा सकेंगे। नाविकों के विरोध की वजह से मेला प्रशासन बैकफुट पर आ गया है और उनकी मांग मान ली है। नाविक संघ की ओर से बताया गया कि अर्धकुंभ और माघ मेला की तरह ही किला घाट से श्रद्धालु नाव से संगम तक पहुंच सकेंगे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होने पर सुरक्षा का हवाला देते हुए पुलिस–प्रशासन ने पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति पर किला घाट से नावों का संचालन रोक दिया था। नाविकों को सिर्फ सरस्वती घाट या बलुआघाट से नाव चलाने की अनुमति दी गई थी। नाविकों ने इसका कड़ा विरोध जताया था। उधर, नाव से संगम जाने का सपना लेकर पहुंचे श्रद्धालुओं को भी निराश होना पड़ा था। बृहस्पतिवार रात इसे लेकर नाविक संघ ने मेलाधिकारी से मुलाकात की। संघ के नेतृत्व में पहुंचे नाविकों ने बताया कि इस व्यवस्था से हजारों नाविकों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। साथ ही दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं को भी निराश होना पड़ा। संघ के अध्यक्ष पप्पू लाल निषाद ने दावा किया कि बैठक में निर्णय लिया कि मौनी अमावस्या समेत तीन अन्य मुख्य स्नान पर्व पर किला घाट से नावों का संचालन पहले की तरह ही होगा। बैठक में सेक्टर मजिस्ट्रेट व सीओ जल पुलिस भी मौजूद रहे। सीओ जल पुलिस रजनीश यादव ने बताया कि मेलाधिकारी की ओर से मौखिक निर्देश मिला है कि मुख्य स्नान पर्वों पर किला घाट से नावों का संचालन होगा।

एक दिन में ही बिक गए 28 लाख के हस्तशिल्प उत्पाद

प्रयागराज। महाकुंभ में एक जिला एक उत्पाद की प्रदर्शनी में मकर संक्रांति के दिन रिकॉर्ड 28 लाख की बिक्री हुई थी। उसी दिन 4.85 लाख लोग प्रदर्शनी में भी पहुंचे थे। छह हजार वर्ग मीटर में सजे पंडाल में प्रदेश के 75 जिलों के हस्तशिल्प उत्पाद को देखने और खरीदने के लिए रोजाना एक लाख से ज्यादा लोग पहुंच रहे हैं। सबसे अधिक मांग फिरोजाबाद के शीशे से बने उत्पाद, भदोही व कुशीनगर की कालीन, बनारस और मऊ के कपड़ों की है। फोर्ट रोड पर 11 जनवरी से चल रही प्रदर्शनी में अब तक सवा करोड़ से अधिक के उत्पादों की बिक्री हो चुकी है। 14 जनवरी को 28 लाख के उत्पाद बेचने का नया रिकॉर्ड बना है। पूरे प्रदेश भर में अभी तक ओडीओपी की प्रदर्शनी में यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। प्रयागराज मंडल के संयुक्त आयुक्त उद्योग शरद टंडन ने बताया कि ओडीओपी में सबसे अधिक उत्पाद बेचने वालों को तीन श्रेणियों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। मौनी अमावस्या के बाद से स्थानीय खरीदारों के साथ ही आसपास के जिलों से आने वालों की भीड़ होने की संभावना है।

यातायात सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

गंगापार। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अंतर्गत सहसों टोल प्लाजा पर घने कोहरे से बचाव के लिए टोल प्लाजा मैनेजर राहुल तिवारी की की देखरेख में सड़क सुरक्षा अभियान चलाया गया।

वर्तमान समय पर दिव्य भव्य कुंभ को लेकर प्रयागराज में वाहनों का अधिक आवागमन हो गया है। घने कोहरे के कारण वाहनों को चलाने में चालक को असुविधा को देखते हुए वाहन के पीछे रिफ्लेक्टर टैग लगाया गया। ट्रैफिक कांस्टेबल एवं टोल प्लाजा के कर्मचारियों द्वारा यातायात नियमों के प्रति चालकों को जागरुक करते हुए हर समय चार पहिया वाहन के लिए सीट बेल्ट तथा मोटरसाइकिल चालक के लिए हेलमेट की अनिवार्यता बताते हुए अमूल्य जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करे । इस मौके पर ट्रैफिक हेड कांस्टेबल सुरेश सिंह, अजीत सिंह, अतुल शुक्ला, शिव शंकर मिश्रा सहित टोल प्लाजा के समस्त कर्मचारी शामिल रहे।

श्री ब्रह्मबाबा का पुण्य स्मृति दिवस मनाया

मथुरा।प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय बलदेव के ष्प्रभु प्रिय धामष में इस संस्था के संस्थापक के प्रवर्तक,ईश्वरीय माध्यम, पिता श्री ब्रह्मा बाबा का 56 वाँ पुण्य स्मृति दिवस बहुत ही दिव्य और अलौकिक रीति से मनाया। स्थानीय प्रभारी आदरणीय राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सीमा दीदी जी ने कहा कि 18 जनवरी को ब्रह्मा बाबा ने अपने व्यक्त शरीर को छोड़ अव्यक्त फरिश्ता स्वरूप को प्राप्त किया।जिस प्रकार से ब्रह्मा बाबा ने अपने तन मन ध ान को प्रभु की सेवा में समर्पित किया और अपने जीवन में दिव्य गुणों को धारण किया। वैसे हमको भी करना चाहिए। ब्रह्मा बाबा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ब्रह्मा बाबा ने शिवबाबा की हर श्रीमत को पालन किया।पवित्रता, दिव्यता,अलौकिकता, प्यार भरी पालना सभी ब्रह्मा वत्सों को दी।बाबा बहुत पारखी विशाल बुद्धिवान थे,धन्य हैं वो तन जिसमें भगवान आकर गीता का ज्ञान सुनाते है। बाबा ने कभी किसी की भी कमी कमजोरियों को नहीं देखा,सबके अंदर अपनत्व की भावना शुभ भावना,शुभ कामना रखी। आत्मा भाई ऋभाई की दृष्टि को पक्का किया,और निरंतर शिवबाबा को यादकर अपनी संपूर्ण करमातीत अवस्था को प्राप्त किया।

साथी रेनू बहन ने भी अपने दिव्य अनुभव के आधार से बाबा की कुछ शिक्षाओ को सभी के साथ सांझा किया।और बाहर से आए प्रभु प्रिय वत्सों ने भी अपने अपने अनुभव सुनाए।भगवान इस धारा पर अवतरित हो चुके हैं,ब्रह्मा बाबा के तन में आकर नई सृष्टि की स्थापना का कार्य कर रहे हैं।कलियुग के अंतिम समय में परमात्मा इस धरा पर आकर पतितो को पावन बनाकर मनुष्य से देवता बनाते हैं तो हमें भी अपने जीवन को देव स्वरूप बनाना हैं। सभी ब्रह्मावत्सो ने ब्रह्मा को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर गांव गांव से भाई बहने पधारे। तेजवीर सिंह,सत्यवीर,संजू,रेखा,कुसुम, कृ ष्णा,गुड्डी,रूबी,रजनी,पंकज,चंद्रवती, रामो,केसर,ओमवती आदि भी उपस्थित रहे।

ओवर लोड दौड़ रहे 20 ट्रक सीज,लगाया जुर्माना

थाना जमुना पार क्षेत्र में एसडीएम,खनन अधिकारी, ए आर टी ओ ने की संयुक्त कार्यवाही

मथुरा। थाना जमुना पार क्षेत्र में दौड़ रहे डस्ट से भरे ओवरलोडिंग 20 बीस ट्रकों को महावन एसडीएम आदेश कुमार, खनन अधिकारी और एआरटीओ ने सीज कर दिया उन पर करीब 60 लाख का जुर्माना लगाने की बात की गई है।

गोपालपुर गांव के पास स्थित ढाबों पर छापेमारी में क्षमता से तीन गुना अधिक लदे 20 ट्रक पकड़े गए। ये सभी ट्रक राजस्थान के ब्याना से डस्ट लेकर हामिदपुर जेवर जा रहे थे। सूचना मिलते ही एसडीएम ने तत्काल खनन विभाग, आरटीओ और जमुनापार थाना पुलिस को मौके पर बुलाया। खनन अधिकारी राज रंजन और एआरटीओ राजेश राजपूत अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच में पाया गया कि कई ट्रकों पर नंबर प्लेट तक नहीं थी और न ही उनके पास कोई वैध दस्तावेज थे। कार्रवाई की भनक लगते ही सभी ट्रक चालक मौके से फरार हो गए। एसडीएम ने बताया कि ट्रक संचालक सरकारी टैक्स से बचने के लिए नए–नए तरीके अपना रहे हैं। या तो वे बिना नंबर की गाड़ियां चला रहे हैं या फिर बिना दस्तावेजों के ट्रकों का संचालन कर रहे हैं। सभी जब्त ट्रकों को कार्रवाई के लिए खनन विभाग और आरटीओ को सौंप दिया गया है। अधि ाकारियों के अनुसार इन ट्रकों पर कुल मिलाकर लगभग 60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

गंगानाथ झा परिसर द्वारा पूरे माघ मास मनाया जायेगा महर्षि भरद्वाज जन्मोत्सव

प्रयागराज। आज प्रख्यात पत्रकार श्री वीरेन्द्र पाठक के संयोजन में महर्षि भरद्वाज जयन्ती का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती तथा प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर ने उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में सन्त–महात्माओं के साथ–साथ प्रयागराज प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री अमितपाल शर्मा तथा प्रयागराज के गणमान्य नागरिक एवं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर के शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जयपुर परिसर के 50 छात्रों ने भी जयपुर से आकर सहभागिता की। भरद्वाज जयन्ती समारोह का आरम्भ महर्षि भरद्वाज जी की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि के साथ हुआ। परमपूज्य शंकराचार्य ने समस्त उपस्थित जनों को आयुर्वेद, विमानशास्त्र जैसे अनेक शास्त्रों के प्रणेता महर्षि भरद्वाज के जन्मोत्सव की शुभकामनाएँ दी। उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा पूरे माघ मास में मनाया जाएगा। जिसमें केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रान्तों में स्थित परिसरों के 50–50 छात्र भाग लेंगे।

'डॉ0 सुरेंद्र शर्मा पुनः बने माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष'

मथुरा।उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ पांडेय गुट का प्रांतीय द्विवार्षिक चुनाव संपन्न हुआ। इस वार्षिक निर्वाचन में मथुरा के डॉक्टर सुरेंद्र शर्मा को पुनः तीसरी बार प्रांतीय उपाध्यक्ष चुना गया। शिक्षक के हितों को सर्वोपरि रखकर काम करने वाले, शिक्षक समाज को एक नई पहचान और सम्मान दिलाने वाले, ऊर्जावान व कर्मठ व्यक्तित्व के धनी,ओजस्वी वक्ता डॉक्टर सुरेंद्र शर्मा ने बताया शिक्षकों की समस्याओं का समाधान हर स्तर से कराने के लिए संगठन प्रतिबद्ध है। डॉक्टर सुरेंद्र शर्मा के प्रदेश उपाध्यक्ष चुने जाने पर मनोज शर्मा प्रदीप कौशिक शिवम शर्मा डॉक्टर रेखा शर्मा डॉक्टर नम्रता निरंजन दीपा सिंह दीपिका शर्मा. त्तु प्रकाश निषाद, जितेंद्र कुमार मिश्र विनोद कुमार शुक्ला, श्रीनिवास शर्मा, शिवकुमार निगम ,गौरव शर्मा, अनेकों प्रधानाचार्य एवं प्रबंधकों ने बधाई दी एवं हर्ष व्यक्त किया।

गंगानाथ झा परिसर द्वारा पूरे माघ मास मनाया जायेगा महर्षि भरद्वाज जन्मोत्सव

प्रयागराज। आज प्रख्यात पत्रकार श्री वीरेन्द्र पाठक के संयोजन में महर्षि भरद्वाज जयन्ती का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती तथा प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर ने उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में सन्त–महात्माओं के साथ–साथ प्रयागराज प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री अमितपाल शर्मा तथा प्रयागराज के गणमान्य नागरिक एवं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर के शिक्षक एवं छात्र

उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जयपुर परिसर के 50 छात्रों ने भी जयपुर से आकर सहभागिता की। भरद्वाज जयन्ती समारोह का आरम्भ महर्षि भरद्वाज जी की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि के साथ हुआ। परमपूज्य शंकराचार्य ने समस्त उपस्थित जनों को आयुर्वेद, विमानशास्त्र जैसे अनेक शास्त्रों के प्रणेता महर्षि भरद्वाज के जन्मोत्सव की शुभकामनाएँ दी। उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा पूरे माघ मास में मनाया जाएगा। जिसमें केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रान्तों में स्थित परिसरों के 50–50 छात्र भाग लेंगे।

तीर्थयात्रियों के आकर्षण का केन्द्र बनी - वैदिक घड़ी

प्रयागराज। वैदिक ऋषियों का कालजयी मेधा कितनी वैज्ञानिक और सटीक थी, इसका प्रत्यक्ष प्रमाण मध्यप्रदेश में उज्जैन स्थित वैदिक घड़ी है जिसको मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा महाकुम्भ सेक्टर 7 स्थित मध्यप्रदेश मण्डप में एल.ई.डी. के माध्यम से

प्रदर्शित है। भारतीय काल गणना पर आधारित इस घड़ी में भारतीय पंचाग, मास, ग्रहों की स्थिति, योग, भद्रा, शुभाशुभ मुहुर्त, व्रत–त्यौहार, सूर्य–चन्द्र ग्रहण का स्थिति विशेष श्रद्धालुओं व दर्शको को आश्चर्य और गौरव का आभास करा रहा है।

ज्ञातव्य है कि मध्यप्रदेश मण्डप में 'लोकपर्व के अन्तर्गत मध्यप्रदेश की समृद्ध कला – संस्कृति की प्रस्तुतियों के साथ–साथ विक्रमादित्य की प्राचीन कालगणना को दर्शाने वाली वैदिक घड़ी की विशेषताओ से भी दर्शको को परिचित कराया जा रहा है। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की स्थापना महाराजा विक्रमादित्य शोध ापीठ, उज्जैन, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेष शासन द्वारा की गयी है। सांस्कतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत जनजातीय नृत्य भगौरिया, युद्ध कला पर आधारित अखाडा, आल्हा गायन एवं निषादराज गुह लीला की प्रस्तुतियाँ सम्पन्न हुयी। 'लोक पर्व' के अन्तर्गत 19 जनवरी 2025 को भोपाल की सुश्री कीर्ति दुबे एवं दल का उपशास्त्रीय भक्ति संगीत, नर्मदापुरम की सुश्री ममता मिश्रा का बघेली भक्ति संगीत, कटनी के एम.आर. नायडू एवं दल का देवी को समर्पित नैरता नृत्य, डिण्डोरी के प्रताप सिंह धुर्वे एवं साथी गोण्ड जनजातिरू सैला नृत्य, जबलपुर की सुश्री शालिनी खरे का पवित्र नदी नर्मदा पर आधारित कथक नृत्य शैली में लीला नाट्य की प्रस्तुतियां होंगी।

ब्रेक द बैरियर,दिव्यांग विजेताओं को मिले पुरस्कार

मथुर। बीएसए कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय संकल्प 2024रू ब्रेक द बैरियर के तीसरे दिन दिव्यांग खिलाड़ियों ने अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन कर सबको प्रभावित किया। कार्यक्रम की शुरुआत में गीतांजलि शर्मा ने अपने माता–पिता की

स्मृति में दीप प्रज्वलित कर मलखंभ बल का विधिवत पूजन किया। यह कार्यक्रम मानव संकल्प वेलफेयर सोसाइटी और उत्तर प्रदेश सरकार के दिव्यांगजन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। तीसरे दिन प्रतिभागियों ने हैंडबॉल, फुटबॉल, वॉलीबॉल, चेस, कैरम, खो–खो, रनिंग, क्रिकेट, बैडमिंटन, और रस्सी खींच जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। प्रतिभागियों की प्रतिभा और आकर्षक प्रदर्शन ने दर्शकों को दंग कर दिया। मानव संकल्प वेलफेयर सोसाइटी ने खेल प्रतियोगिताओं हैंडबॉल, फुटबॉल, वॉलीबॉल, चेस, कैरम, खो–खो, रनिंग, क्रिकेट, बैडमिंटन, और रस्सी में प्रथम स्थान पाने वाले छात्र छात्राओं को गोल्ड मेडल वह द्वितीय आने वाले छात्रों को ब्रॉन्ज मेडल देकर सम्मानित किया और सभी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, इस दौरान जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विशाल कुमार,मजहर उलकमर, कॉलेज के प्रिंसिपल ललित मोहन शर्मा,डॉक्टर रुचि अग्रवाल, डॉ सुनीता शर्मा,कैप्टन योगेन्द्र पौनिया, सोनू ठाकुर, वीरेंद्र सिंह, प्रोफेसर बी के गोस्वामी, कुशल पाल शर्मा, चंचल शर्मा, शिराज भारद्वाज भूपेंद्र मिश्रा, नरेंद्र शर्मा,योगेश यादव, सुनील जैसवाल, सतेंद्र कुमार, डॉ सुरेन्द्र पाल सिंह, राहुल उपाध्याय, दरेंद्र सिंह, हरिशंकर, पार्षद विनोद भारद्वाज, अनुभव गौतम, प्राची शर्मा, अक्षत गौड़, विपिन शर्मा, अक्कू शर्मा आदि मौजूद रहे।

भतीजे ने की थी चाची-बहन की हत्या, माफी मांगने घर गया, नहीं मानी तो मार डाला

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधनी लखनऊ में मां–बेटी की हत्या करने वाले भतीजे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसका चाची के साथ प्रेम प्रसंग था। वह उस पर शादी का दबाव बना रही थी, जबकि भतीजा शादी नहीं करना चाहता था। इसी के चलते गुरुवार को भतीजे ने घर में घुसकर मां–बेटी की हत्या कर दी। हत्या के बाद पुलिस ने मृतका की कॉल डिटेल निकाली। इसमें गांव के दो संदिग्ध मिले। दोनों से सख्ती के साथ पूछताछ की तो भतीजे विकास कन्नौजिया का नाम सामने आया। पुलिस इस मामले को लेकर आज प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेगी। वहीं, शुक्रवार को पति प्रकाश मुम्बई से घर पहुंचे और पत्नी गीता और बेटी दीपिका का अंतिम संस्कार किया। पुलिस सूत्रों की मानें तो हत्यारा विकास अपनी चाची गीता को पैसे और जेवर गिफ्ट देता था। पिछले दिनों गीता और विकास के बीच अनबन हो गई। 15 दिनों से दोनों की बातचीत बंद थी। गुरुवार की रात विकास बिजली के पोल के सहारे गीता के घर में घुसा। किचन में बर्तनों की आवाज सुनकर जब गीता दरवाजा खोली तो विकास उससे बात न करने का कारण पूछा। माफी भी मांगी। गीता उसे भला–बुरा कहने लगी। तभी गुस्से में आकर विकास ने पास में रखा डंडा और किचन का चाकू उठा कर गीता की हत्या कर दी। इस पूरे घटनाक्रम को गीता की मासूम बेटी दीपिका घटना देख रही थी। गवाह को खत्म करने के लिए विकास ने दीपिका की भी हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या में उपयोग किए गए डंडा और चाकू को बरामद कर लिया है। पुलिस ने गीता के मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल निकाली तो एक गैर धर्म के युवक से घटना की जानकारी मिली। इसी को आधार मानकर जांच की कड़ी आगे बढ़ाई गई। घटना के पीछे प्रेम संबंध की बात का खुलासा हुआ और हत्या के पॉइंट पर कई अहम सबूत मिले। अब पुलिस का कहना है कि जांच में जो तथ्य मिले हैं उनकी हकीकत जानने के लिए गीता के पति से भी पूछताछ की जाएगी। हत्यारा बिजली के पोल का सहारा लेकर पीछे के रास्ते से घर के अंदर घुसा था। उसने मां–बेटी का गला चाकू से रेता। इसके बाद घर में ही हाथ धोया। पुलिस को कमरे के बाहर एक मग मिला है। इसमें खून के निशान है। इसी मग से पानी लेकर उसने अपना हाथ धोया था। पुलिस ने जब गीता के बेटे दीपांशु से पूछताछ की तो उसने कहा– अंकल अक्सर घर पर आते थे। जानकारी के बाद पुलिस ने घर आने वाले युवक से घंटों पूछताछ की। दूसरी तरफ गीता के पति प्रकाश ने किसी से भी रंजिश होने की बात से इनकार किया है। उसने कहा बुध ावार रात पत्नी से फोन पर बात हुई थी। तब तक सब सही था। गुरुवार सुबह फोन किया लेकिन नहीं उठा। जिसके बाद ससुर

सिद्धनाथ को फोन किया। गीता उनका भी फोन नहीं उठाई तो वह घर पहुंचे थे। प्रकाश की पत्नी गीता और बेटी दीपका का शव गुरुवार दोपहर घर में मिला था। दोनों की गला रेतकर हत्या की गई थी। गीता के पिता सिद्धनाथ फोन न उठने पर नाती दिपांशु को लेकर घर पहुंचे थे। तभी घटना की जानकारी हुई थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मां–बेटी के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा था। हत्या का खुलासा करने के लिए चार टीमें लगाई गई थी। पुलिस घटना से जुड़े साक्ष्यों को जुटाने के लिए गांव और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की थी। साथ ही डंप डेटा पर भी काम कर किया गया था।

छोटा इमामबाड़ा से दुकानें हटवाने पर भड़के मौलाना, बोले-पहले हटाई जाई सतखंडा चौकी

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ में छोटा इमामबाड़ा के गेट से हटवाई गई दुकानों का मौलाना सैफ अब्बास ने विरोध किया है। मौलाना ने कहा– कोर्ट के आदेश की आड़ में गरीबों को बेरोजगार किया जा रहा है। उन्होंने सतखंडा चौकी को हटाने की मांग की है। इमारत की जर्जर स्थिति के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की लापरवाही भी बताई है। मौलाना सैफ अब्बास ने कहा इमामबाड़ा के आसपास जो दुकान लग रही हैं वह हुसैनाबाद ट्रस्ट की जमीन है। उसी की फुटपाथ पर तमाम दुकानें लगाई जाती हैं। मौजूदा समय में जब सरकार रोजगार और लघु उद्योग की बात कर रही है। ऐसे समय में लोगों को बेरोजगार बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यह निंदनीय है। मौलाना ने कहा जो बात कही जा रही है कि कोर्ट का आदेश आया है। यह बात स्पष्ट कर दें कि इमामबाड़े के दोनों गेट जर्जर हैं। इस पर भारतीय पुरातत्व कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। संबंधित मामले को लेकर अधिवक्ता मोहम्मद हैदर ने याचिका दायर कर जीर्णोद्धार का आदेश करवाया है।

जांच एजेंसियों को चकमा देकर दुबई भागा गुड्डू मुस्लिम, यूपी पुलिस और एसटीएफ को नहीं लगी भनक

लखनऊ,(संवाददाता)। बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल की हत्या में शामिल और माफिया अतीक अहमद का बेहद करीबी रहा शातिर अपराधी गुड्डू मुस्लिम जांच एजेंसियों को चकमा देकर दुबई फरार हो गया। केंद्रीय खुफिया एजेंसी ने यह सूचना यूपी पुलिस के साथ साझा की है। केंद्रीय खुफिया विभाग के मुताबिक वह बीती 6 दिसंबर को कोलकाता एयरपोर्ट से एतिहाद एयरलाइंस की कोलकाता–दुबई फ्लाइट से गया है। उसने सैयद वसीमुद्दीन के नाम से फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल किया। प्रयागराज पुलिस कमिश्नर और एसटीएफ कई महीनों तक उसे राजस्थान के अजमेर और ओडिशा के भुवनेश्वर समेत कई संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की लेकिन गिरफ्तार करने में सफलता नहीं मिल सकी।हालांकि जांच एजेंसियां अब इस बात की जानकारी जुटा रही है कि आखिर गुड्डू मुस्लिम को भगाने में किसने मदद की। आशंका जताई जा रही है।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन आज से,पुंडरीक महाराज कहेंगे सात पीयूसी भागवत कथा

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ के ऐशबाग श्रीराधारमण सेवा समिति के तत्वावधान में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया है। इस कथा का आयोजन डीएवी कॉलेज, पं. रास बिहारी तिवारी मार्ग ऐशबाग, लखनऊ में हो आयोजन से जुड़ी जानकारी देते हुए समिति के आयोजक अमरनाथ मिश्र जी ने बताया कि यह कथा डॉ. पुण्डरीक गोस्वामी महाराज के द्वारा वाचन की जाएगी। यह पहली बार लखनऊ में कथा कहने आ रहे हैं। कथा का उद्देश्य भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण की अद्भुत लीलाओं और श्रीमद्भागवत के दिव्य प्रसंगों से ओत–प्रोत करना है। समापन के बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान 1,000 से अधिक भक्तों के लिए भव्य पंडाल तैयार किया गया है। कथा स्थल पर ठंड के मद्देनजर चाय की व्यवस्था, चरण पादुका स्टैंड, ई–रिक्शा सुविधा, सुरक्षा गार्ड और अलग–अलग वाहन पार्किंग की भी व्यापक व्यवस्था की गई है। डॉ. पुण्डरीक गोस्वामी जी के नेतृत्व में यह आयोजन धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। महाराज श्री ने श्रीराम मंदिर अयोध्या के उद्घाटन के बाद पहली श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन करके ख्याति प्राप्त की है। उनकी प्रेरणा से कई सामाजिक और धार्मिक प्रकल्प भी चलाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, अमरनाथ मिश्र, लोकेश अग्रवाल, समीर मित्तल, नवीन गुप्ता, शिवम अग्रवाल, अनुराग मिश्र (पार्षद) सहित अन्य प्रमुख व्यक्तित्व शामिल हैं। भक्तजन इस दिव्य कथा में भाग लेकर श्रीमद्भागवत की अद्भुत कथाओं और डॉ. पुण्डरीक गोस्वामी जी के मधुर भजनों का आनंद लें।

सजे हुए हैं घाट

(कुण्डलिया)

दृश्य मनोरम देखिए, करिए सैर–सपाट।
है नहान यह कुम्भ का,सजे हुए है घाट।
सजे हुए है घाट,नहीं भौतिकता कोई।
आलस पैर–पसार ,कहीं है छुप कर सोई।
सुन लो कहें प्रदीप, यहाँ पर समता का सम।
मनवता को जोड़,दिखाता दृश्य मनोरम।।

हो अरैल फाफामऊ,झूँसी दारागंज ।
पीपे के पुल ने हरा,दिल का हसरत–संज।
दिल का हसरत–संज,लिया गंगा मैया ने।
उर्जा का संचार, किया नाव– खिवैया ने।
सुन लो कहें प्रदीप,न जाना भैया अब सो।
खुद का हो कल्याण, दूसरों का भी शुभ हो।

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

सम्पादकीय.....

गगनभेदी कामयाबी

नये साल की शुरुआत के साथ ही भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने बृहस्पतिवार को ऐतिहासिक कामयाबी हासिल कर ली। इसरो ने 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट' यानी स्पेडेक्स के तहत दो उपग्रहों की अंतरिक्ष में डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली। इस सफलता के बाद अब भारत अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बना सकता है। इस ऐतिहासिक कामयाबी से भारत अमेरिका,रूस व चीन के बाद यह लक्ष्य हासिल करने वाला चौथा देश बन गया है। इस मिशन की कामयाबी से भारत के चंद्रयान–4, गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने जैसे मिशनों का भविष्य तय हुआ है। जहां चंद्रयान–4 मिशन से चंद्रमा की मिट्टी के नमूने भारत लाए जाएंगे, वहीं गगनयान मिशन के जरिये भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजा जा सकेगा। दरअसल, स्पेडेक्स दो छोटे अंतरिक्ष यान का उपयोग करके अंतरिक्ष में डॉकिंग के लिये एक किफायती प्रौद्योगिक मिशन है। गत तीस दिसंबर को इसरो ने इस प्रयोग को सफलतापूर्वक संपन्न किया। इसके अंतर्गत दो छोटे उपग्रहों को पीएसएलवी सी–60 के जरिये श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया था। प्रक्षेपण के 15 मिनट बाद 220 किलो वजनी दो छोटे उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित कर दिया गया था। बीते कल डॉकिंग के बाद एक सिंगल ऑब्जेक्ट के रूप में स्पेसक्राफ्ट का नियंत्रण सफलता पूर्वक किया गया। आने वाले दिनों में अनडॉकिंग और पॉवर स्थानांतरण की प्रक्रिया को अंजाम दिया जाएगा। दरअसल, अंतरिक्ष में डॉकिंग का मतलब है दो अंतरिक्ष यानों को आपस में जोड़ना। इस डॉकिंग प्रक्रिया को धरती से संचालित किया गया था। कालांतर ये दोनों उपग्रह अपने पेलोड के ऑपरेशन शुरू करेंगे। ये दो साल तक मूल्यवान डेटा इसरो को भेजते रहेंगे। निश्चित रूप से यह प्रक्रिया बेहद जटिल होती है, बिना गुरुत्वाकर्षण के बीच तेज गति से घूम रहे उपग्रहों को आपस में जोड़ना बेहद कठिन कार्य होता है। लेकिन भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की मेधा से यह संभव हुआ है। बहरहाल, इस मिशन की सफलता ने आने वाले समय में गगनयान मिशन, अंतरिक्ष स्टेशन बनाने व भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष यात्री भेजने के अभियान की सफलता की राह सुगम कर दी है। इतना ही नहीं, अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के बाद वहां आने–जाने के लिये भी डॉकिंग तकनीक उपयोगी साबित होगी। वहीं दूसरी ओर सैटेलाइट सर्विसिंग, इंटरप्लेनेटरी मिशन और इंसान को चंद्रमा पर भेजने के लिये भी यह तकनीक जरूरी थी। निस्संदेह, यह अभियान खासा चुनौतीपूर्ण था। गुरुवार को मिली सफलता से पहले सात और नौ जनवरी को तकनीकी कारणों से इस मिशन को टाला गया था। फिर बारह जनवरी को इसरों ने एक परीक्षण किया था, जिसमें दोनों उपग्रहों को तीन मीटर तक की दूरी तक लाया गया था। इसके बाद आगे के प्रयोगों के लिये सुरक्षित दूरी पर ले जाया गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय वैज्ञानिकों ने खुद का डॉकिंग मैकेनिज्म विकसित किया। इस बेहद जटिल व संवेदनशील तकनीक को अब तक कामयाब हुए देशों ने भारत को नहीं दिया था। इसीलिए इसरो ने इसे 'भारतीय डॉकिंग सिस्टम' नाम देकर पेटेंट भी करा लिया है। निश्चय ही यह भारतीय वैज्ञानिकों की उपलब्धि का गौरवशाली क्षण बना है। यह हमारी अंतरिक्ष में एक लंबी छलांग भी है। वाकई इसरो के प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों से ही यह संभव हो पाया है। जो आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अतंरिक्ष मिशनों की राह सुगम बनाएगा। निश्चित रूप से अब आने वाले सामरिक व रणनीतिक लक्ष्यों के लिये अंतरिक्ष में कामयाबी निर्णायक साबित हो सकती है। भारतीय वैज्ञानिकों की यह कामयाबी नई उम्मीद जगाती है। अंतरिक्ष में दबदबा बनाने के लिये अमेरिका व चीन में कड़ी प्रतिस्पर्धा जारी है। दोनों चंद्रमा पर अपना वर्चस्व बनाने की होड़ कर रहे हैं। पिछले दिनों चीन ने आरोप लगाया था कि अमेरिका के अंतरिक्ष बल द्वारा जापान में एक इकाई तैनात करने से वैश्विक रणनीतिक स्थिरता को खतरा पैदा हो गया है। हालांकि खुद बीजिंग भी अंतरिक्ष में अपनी सैन्य क्षमताओं का तेजी से विस्तार कर रहा है। यह भारत के लिये भी चिंता की स्थिति है। ऐसे में भारत को अपने अत्याधुनिक अंतरिक्ष कार्यक्रम को गति देने में कोई ढील नहीं देनी चाहिए।

चुनाव आयोग पर सच-साबित हुए राहुल

अभी बुधवार को ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नवनिर्मित पार्टी मुख्यालय के उद्घाटन अवसर पर चुनाव आयोग पर उसके पक्षपातपूर्ण रवैये को लेकर निशाना साधा थाय और चौबीस घंटे बीतते न बीतते उनकी बात साबित होती भी दिख गयी। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने जानकारी दी कि दिल्ली चुनाव अधिकारी (डीईओ) ने श्एक्सश पर भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई के आधिकारिक हैंडल पर जारी एक पोस्ट को रिपोस्ट कर दिया है। यह पोस्ट भाजपा नेताओं की चुनाव अधिकारियों के साथ हुई बैठक को लेकर थी। संजय सिंह ने इसका स्क्रीन शॉट शेयर कर एक महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था तथा राजनीतिक दल के परस्पर सम्बन्धों को उजागर कर दिया है। राहुल गांधी ने अपने भाषण में हरियाणा तथा महाराष्ट्र विधानसभा के कुछ माह पहले हुए चुनावों के हवाले से संकेत दिये थे कि उनमें चुनाव आयोग ने पक्षपात किया था। राहुल का यह बयान इस परिप्रेक्ष्य में था कि वहां माहौल पूरी तरह से कांग्रेस और विपक्षी गठबन्धन इंडिया के पक्ष में था परन्तु परिणाम अप्रत्याशित रूप से भाजपा तथा उसके सहयोगी नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस के हक में गये थे। संजय सिंह ने एक्स पर की गयी अपनी पोस्ट में तंज कसा कि निर्वाचन अधिकारी औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल होकर उसका चुनाव प्रचार करेंगे। उन्होंने लिखा–भारत के इतिहास में पहली बार– नयी दिल्ली के चुनाव अधिकारी ने चोरी–छिपे बीजेपी के ट्वीट–रिट्वीट करने शुरु कर दिये हैं। अब नयी दिल्ली विधानसभा के जिला अधिकारी कह रहे हैं जब प्यार किया तो डरना क्या। कल सुबह 11 बजे जिला चुनाव अधिकारी बीजेपी ऑफिस में पार्टी ज्वाइन करेंगे। हालांकि जिला निर्वाचन अधिकारी की तरफ से इस मुद्दे पर सफाई आई कि सोशल मीडिया हैंडल का संचालन सोशल मीडिया सेल के एक अधिकारी करते हैं। उन्होंने अनजाने में रिपोस्ट की थी और अब उन्हें बदल दिया गया है। लेकिन सवाल तो फिर भी उठता ही है कि अनजाने में ही सही, लेकिन भाजपा की पोस्ट को ही रिपोस्ट क्यों किया गया, क्यों चुनाव आयोग के दफ्तर ने किसी और दल के पोस्ट को रिपोस्ट नहीं किया। संजय सिंह ने भाजपा और चुनाव आयोग के अंतर्संबंधों को इस ट्वीट प्रकरण के सन्दर्भ में उजागर किया है लेकिन देश पिछले एक अर्से से यह देख रहा है कि किस प्रकार भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में विपक्ष को नेस्तनाबूद करने की जो चालें चली जा रही हैं, उनमें निर्वाचन आयोग प्रमुख भूमिका निभा रहा है। निर्वाचन आयोग को जेबी संस्था की तरह बनाने की कोशिशें हो रही हैं, जिसका काम सत्ता के दिशानिर्देशों का पालन करना मात्र रह गया है। सारे चुनावी कार्यक्रम सत्ताधीशों की सुविधानुसार तय किये जाने लगे हैं। अपनी सत्ता को बनाये रखने के लिये भाजपा सरकार ने चुनाव आयोग को बेहद कमजोर कर दिया है। पहले जहां मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन प्रधानमंत्री, एक केन्द्रीय मंत्री, विपक्ष के नेता तथा सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मिलकर करते थे, पिछली सरकार ने एक कानून लाकर इस कमेटी से मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया। इस प्रकार से चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर पूरी तरह से सरकार का अधिकार हो गया है और विपक्ष की कोई भूमिका नहीं रह गयी है। कई राज्यों तथा पिछले लोकसभा चुनावों में भाजपा तथा निर्वाचन आयोग की मिलीभगत के आरोप विपक्ष ने लगाए। हाल के हरियाणा व महाराष्ट्र चुनाव के साथ हुए उपचुनावों में भी देखा गया कि सुबह को रूझान कुछ थे जबकि एक–डेढ़ घंटे के भीतर ही सभी के अनुमान ध्वस्त होते गये और दोपहर होते न होते अंततरू भाजपा की ही विजय हुई थी। यह खेल कई राज्यों में खेला गया था। अनेक निर्वाचन क्षेत्रों में ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर पाई गयीं या उनमें हेर–फेर के साफ संकेत मिले – खासकर, लम्बे इस्तेमाल के बाद भी कई मशीनों का मतगणना के वक्त 99 फीसदी तक चार्ज रहना यह बताता है कि कहीं कोई गड़बड़ी हुई है। विपक्ष ही नहीं, अनेक प्रबुद्ध लोग तथा स्वयंसेवी संगठन चाहते हैं कि वोटिंग बैलेट पेपर से हो लेकिन उनकी न तो सरकार सुनती है और न ही स्वयं निर्वाचन आयोग। लोकसभा चुनाव के पहले कई विपक्षी दल इस बाबत आयोग से मिलकर अपनी बात कहना चाहते थे तथा डेमो के जरिये यह करके दिखलाना भी चाहते थे कि मशीनें हैक हो सकती हैं, पर निर्वाचन आयुक्त ने उन्हें समय ही नहीं दिया। हाल ही में निर्वाचन आयोग ने मतगणना के बाबत यह प्रणाली अपना रखी है कि मतदान बन्द होने के कई घंटों के बाद वह संशोधित आंकड़े जारी करता है। दोनों के बीच थोड़ा–मोड़ा नहीं 5–7 प्रतिशत तक का फर्क होता है जो किसी भी परिणाम को पलटने के लिये पर्याप्त है। महाराष्ट्र में तो चार–पांच महीनों में ही वोटरों की संख्या 47 लाख बढ़ गयी थी। देश के कई राज्यों में भाजपा के पक्षधर वोटों के बढ़ने तथा विरोधी समझे जाने वाले मतदाताओं (अल्पसंख्यक, दलित, ओबीसी आदि) के नाम कटने के बड़े पैमाने पर प्रमाण मिले हैं। कहा तो यहां तक जाता है कि पिछले लोकसभा चुनावों में तकरीबन 80 सीटें इसी तरीके से भाजपा के पक्ष में लाई गईं जिसके कारण आज भाजपा तीसरी बार सत्ता में है। चंडीगढ़ नगर निगम के महापौर के चयन का वाकया भी लोग भूले नहीं हैं जब निर्वाचन अधिकारी ने खुद ही भाजपा के पक्ष में वोट डाले थे। अक्सर चुनाव के कुछ पहले या परिणाम निकलने के बाद ईवीएम पर बात की जाती है लेकिन राहुल ने दिल्ली चुनाव के ऐन बीच में, यह जानते हुए भी कि चुनाव इसी प्रणाली से होंगे, निर्वाचन आयोग के भाजपा का मददगार होना बताया था। दिल्ली निर्वाचन कार्यालय से भाजपा की पोस्ट को रिपोस्ट करने के प्रकरण ने उसकी पुष्टि कर दी।

आप नेताओं के खिलाफ आदेश से भाजपा को राजनीतिक लाभ की उम्मीद

के रवींद्रन

आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के खिलाफ अभियोजन पक्ष को मंजूरी देने का मोदी सरकार का हालिया फैसला राजनीतिक उद्देश्यों के लिए केंद्रीय एजेंसियों के इस्तेमाल की चल रही कहानी में एक और अध्याय जोड़ता है। मूल रूप से, यह कदम एक ऐसे पैटर्न को उजागर करता है जिसमें देश के विभिन्न संस्थानों को सत्तारूढ़ पार्टी के एजंडे को ही आगे बढ़ाने के लिए एक उपकरण के रूप में किया जा रहा माना जाता है। वर्तमान घटनाक्रम का संदर्भ और समय इस तरह की कार्रवाइयों के पीछे रणनीतिक प्रेरणाओं को ओर रेखांकित करता है, जिससे इन संस्थानों की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक सिद्धांतों की रक्षा में उनकी भूमिका के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं। शपिंजरे में बंद तोताश समकालीन राजनीतिक मुहावरे का हिस्सा बन गया है। केन्द्रीयगृह मंत्रालय द्वारा अभियोजन के लिए मंजूरी नवंबर में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये ऐतिहासिक फैसले के तीन महीने बाद आई है, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को लोक सेवकों पर मुकदमा चलाने के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की तरह ही पूर्व मंजूरी लेनी चाहिए। इस फैसले की जांच शक्तियों के संभावित दुरुपयोग के खिलाफ सुरक्षा के रूप में सराहना की गयी थी, जो इस सिद्धांत को पुष्ट करता है कि अभियोजन को पर्याप्त निगरानी के बिना आगे नहीं बढ़ना चाहिए। लेकिन केंद्र सरकार ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले ही इसे मंजूरी नहीं दी। अब जब चुनाव प्रक्रिया शुरु हो गई है तब मंजूरी दी गयी है। इस घटनाक्रम को न्यायपालिका द्वारा ईडी की बढ़ती जांच की पृष्ठभूमि में भी देखा जाना चाहिए। हाल के दिनों में, एजेंसी को मनी लॉन्ड्रिंग मामलों से निपटने के लिए विभिन्न अदालतों से कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है। ईडी द्वारा की गयी कई गिरफ्तारियों को अवैध करार दिया गया है, तथा अदालतों ने पर्याप्त सुबूत या उचित प्रक्रिया के बिना हिरासत में लिये गये व्यक्तियों की तत्काल रिहाई का आदेश दिया है। ऐसे मामलों ने ईडी की निष्पक्षता और कानूनी मानदंडों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े किये हैं, जिससे एक जांच निकाय के रूप में इसकी विश्वसनीयता पर संदेह पैदा हुआ है। ईडी की कार्रवाई की चयनात्मक प्रकृति ने इसकी मंशा के बारे में संदेह को और गहरा कर दिया है। विपक्षी नेताओं को पकड़ने में एजेंसी का उत्साह सत्तारूढ़ पार्टी से जुड़े लोगों के खिलाफ इसी तरह के आरोपों की जांच करने की उसकी स्पष्ट अनिच्छा के बिलकुल विपरीत है। यह असमानता पक्षपात की धारणा को बढ़ावा देती है और कानूनी प्रक्रिया की निष्पक्षता में जनता के विश्वास को कम करती है। यह संस्थागत स्वायत्तता के क्षरण के बारे में भी चिंता पैदा करता है, क्योंकि जिन एजेंसियों को सत्ता पर नियंत्रण के रूप में कार्य करने के लिए डि□ाइन किया गया था, उन्हें तेजी से राज्य नियंत्रण के साधन के रूप में देखा जा रहा है। जैसे–जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी उन प्रभावशाली विपक्षी नेताओं को बेअसर करने पर आमादा दिख रही है, जो इसके खिलाफ प्रतिरोध को बढ़ावा देने की क्षमता रखते हैं। केजरीवाल, विशेष रूप से दिल्ली में, आप को एक मजबूत ताकत के रूप में स्थापित करने और अन्य राज्यों में इसके प्रभाव का विस्तार करने में उनकी सफलता को देखते हुए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक चुनौती का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसा लगता है कि सरकार उन्हें और उनके करीबी सहयोगियों को निशाना बनाकर आप की विश्वसनीयता को कमजोर करने और उसकी चुनावी संभावनाओं को कम करने की कोशिश कर रही है। राजनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सरकार का केंद्रीय एजेंसियों पर निर्भर रहना लोकतंत्र और कानून के शासन के सिद्धांतों के प्रति चिंताजनक उपेक्षा को दर्शाता है। लोकतांत्रिक शासन के लिए यह आवश्यक है कि संस्थाए स्वतंत्र रूप से और बिना किसी हस्तक्षेप के काम करें, यह सुनिश्चित करते हुए कि न्याय निष्पक्ष और निष्पक्ष रूप से प्रशासित हो। जब इन सिद्धांतों से समझौता किया जाता है, तो यह राज्य की वैधता को कमजोर करता है और इसकी संस्थाओं में विश्वास को कम करता है। विपक्षी नेताओं से जुड़े मामलों में केंद्रीय एजेंसियों को बार–बार बीच में लाने से यह आभास होता है कि सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाये रखने की तुलना में सत्ता को मजबूत करने के लिए अधिक चिंतित है। इस प्रवृत्ति के व्यापक निहितार्थ बहुत चिंताजनक हैं। एक स्वस्थ लोकतंत्र में, ईडी और सीबीआई जैसी संस्थाएं भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग पर महत्वपूर्ण जांच के रूप में काम करती हैं। उनकी विश्वसनीयता बिना किसी डर या पक्षपात के काम करने की उनकी क्षमता पर निर्भर करती है जो राजनीतिक संबद्धता की परवाह किये बिना कानून को समान रूप से लागू कर सके। जब इन एजेंसियों को सत्तारूढ़ पार्टी के उपकरण के रूप में माना जाता है, तो उनकी प्रभावशीलता से समझौता होता है, और उनके कार्यों को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। इससे न केवल संस्थाएं कमजोर होती हैं, बल्कि समग्र रूप से न्याय प्रणाली में जनता का विश्वास भी कम होता है। ईडी से जुड़े मामलों में न्यायपालिका के हालिया हस्तक्षेप आशा की एक किरण प्रदान करते हैं, जो लोकतांत्रिक मानदंडों की रक्षा में एक स्वतंत्र न्यायपालिका की भूमिका को उजागर करते हैं। अवैध हिरासत के मामलों को सामने लाकर और उचित प्रक्रिया की आवश्यकता पर जोर देकर, अदालतों ने कानून के शासन को बनाये रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। हालांकि, न्यायपालिका अकेले जांच एजेंसियों को परेशान करने वाले प्रणालीगत मुद्दों का प्रतिकार नहीं कर सकती है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए संस्थागत स्वायत्तता को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए एक ठोस प्रयास की आवश्यकता है कि एजेंसियां राजनीतिक दबाव से अछूती रहें। विपक्षी नेताओं को निशाना बनाकर और केंद्रीय एजेंसियों को राजनीतिक प्रतिशोध के साधन के रूप में इस्तेमाल करके, सत्तारूढ़ पार्टी ध्रुवीकरण को गहरा करने और अविश्वास के माहौल को बढ़ावा देने का जोखिम उठा रही है। इस तरह की रणनीति से अल्पकालिक लाभ मिल सकता है, लेकिन वे लोकतांत्रिक शासन की नींव को नष्ट करने की कीमत पर आते हैं। लंबे समय में, लोकतंत्र का स्वास्थ्य सभी राजनीतिज्ञों की संस्थागत सीमाओं का सम्मान करने और निष्पक्षता और न्याय के सिद्धांतों को बनाये रखने की इच्छा पर निर्भर करता है।

बाजार में क्यों हाहाकार है

बाजार में हाहाकार है। बाजार मतलब सिर्फ शेयर और पूंजी बाजार नहीं करेंसी बाजार और सामान्य बाजार भी। यह बात जोर शोर से प्रचारित की जा रही है कि खुदरा मूल्य सूचकांक गिरा है और चार महीने के न्यूनतम स्तर पर आ गया है लेकिन वह अभी भी 5.2 फीसदी जैसे खतरनाक स्तर से ऊपर है और यह बात रिजर्व बैंक भी मानता है। बल्कि इसके चलते वह बैंक दरों में हेरफेर करने से बच रहा है। अभी तत्काल बड़ी चिंता शेयर बाजार में कोहराम से है। जब 13 जनवरी को बाजार का एक दिन का नुकसान 13–14 लाख करोड़ रुपए का हो गया तो दूसरे दिन सरकार और बाजार के कामकाज पर नजर रखने वाले सचेत हुए। कुछ टेक्नीकल करेक्शन का असर था और कुछ हजारों करोड़ रुपए झोंकने का, बाजार में हल्की बढ़त दिखी। झोंकना शब्द जाना–बूझ कर इस्तेमाल किया गया है क्योंकि साझा कोष हों या सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां, उनके निवेश का फैसला बाजार के रुख की जगह सरकार के रुख से तय होता है और हर संकट में ऐसा निवेश बाजार बचाने वाला होता है और करेंसी बाजार को संभालने के लिए तो सचमुच बैंक में जमा धन बाजार में उतारना पड़ता है। इस बार बाजार संभल पाएगा यह कहना मुश्किल है क्योंकि यह सिर्फ किसी एक समूह के कामकाज से जुड़ी देसी–विदेशी रिपोर्ट या सच के उजागर होने से आया तूफान नहीं है। इस बार की गिरावट वैश्विक स्तर पर होने वाले कुछ बड़े बदलावों के चलते है और इसका असर हमारे बाजार पर सिर्फ 13 जनवरी को नहीं आया है। हमारा सेंसेक्स अस्सी हजार अंक से इतना नीचे आ गया है कि जल्दी भरोसा नहीं होता कि वह कभी इतना ऊपर गया था। चार सत्रों में ही गिरावट ढाई हजार अंकों से ज्यादा की हो चुकी है और इसमें हर तरफ लक्षण खराब दिख रहे हैं। बाजार के जानकार जिनकी बारीक चीजों पर नजर रखते हैं उनमें शनिफ्टी नेक्स्ट 50श अर्थात निफ्टी में शामिल पचास शेयरों के बाद वाले पचास शेयरों का हिसाब समझ आता है, में और ज्यादा गिरावट के लक्षण देख रहे ही। उनमें आम तौर पर बीस फीसदी से ज्यादा की गिरावट है लेकिन अदानी ग्रीन जैसे दुलारे शेयरों में साल भर में 58 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। 13 जनवरी को ही बाजार 1.5 फीसदी के आसपास गिरा तो इन पचास शेयरों में गिरावट 4.3 फीसदी थी। अर्थात बाजार में आगे के लिए भी बहुत उम्मीद नहीं दिखती और निवेशक बाजार से मुंह मोड़ रहे है। ऐसा विदेशी निवेशक लगातार कर रहे हैं और उनके पूंजी निकालने(तथा चीन की तरफ रुख करने) पर सरकार अपनी संस्थाओं और सहयोगी संस्थाओं से लिवाली करा के बाजार को स्थिर करने का प्रयास करती रही है। पिछले साल की अंतिम छमाही में यह ट्रेंड रहा है। शेयर बाजार की बदहाली का एक बड़ा कारण तो अचानक चीन के बाजारों में बढ़ता निवेश है और इसमें चीन सरकार की नीतियों के साथ दुनिया के बाजार में चीन की अनिवार्यता को स्वीकार करना भी एक कारण है। आज चीन का विदेश व्यापार का सरप्लस एक ट्रिलियन डालर का हो चुका है और काफी सारे देशों को लगता है कि चीन के उत्पादन तंत्र में पूंजी, ब्रांड–मूल्य और तकनीक की साझेदारी से अगर वे घाटे को कम कर सकते हैं तो जरूर करना चाहिए। चीन ने भी विदेशी निवेश आकर्षित करने के इंतजाम बढ़ाए हैं। पिछले छह महीने का जो हिसाब है वह बताता है कि चीन के प्रति डोनाल्ड ट्रम्प के जहर उगलने का भी निवेशकों के मन पर कोई असर नहीं हो रहा है। आज दुनिया के पूंजी बाजार में एक अलग तरह की हलचल है (और हमारे बाजार भी उससे गहरे प्रभावित है) उसका ट्रम्प के आगमन और उससे भी ज्यादा सरकारी अमेरिकी गील्ड में रिटर्न की डर का पांच फीसदी से ऊपर पंहुचने का हाथ है। जब बैंक और सरकारी बांड वगैरह में पड़ी रकम पांच फीसदी से ज्यादा की कमाई देने लगे तब अमेरिकी ही नहीं विकसित दुनिया के काफी सारे निवेशकों को दूसरी तरफ देखने की जरूरत नहीं है। ऐसा भरोसा तब और असरदार हो जाता है जब ट्रम्प के आगमन की आशंका से बाजार में बेचौनी हो। इसका असर निश्चित रूप से हमारे शेयर बाजारों के साथ रुपए का मोल गिरने पर पड़ा है और दुनिया भर में पेट्रोलियम की कीमतों में अचानक और अकारण से उछल पड़ा है। अमेरिकी डालर का मूल्य अमेरिका में भी बढ़ा है क्योंकि उसमें निवेश में कमाई के नतीजे बेहतर होने की रिपोर्ट आई है। वहां भी लगभग एक फीसदी गिरा है और इसका असर वैश्विक है। लेकिन हमारे बाजार और रुपए की गिरावट को हम अकेले इसी बहाने नजरअंदाज नहीं कर सकते। डालर का 86.53 रुपया छूना बताता है कि हम असल खतरे वाले जोन में आ रहे हैं। अगर डालर की मजबूती और अमेरिकी बैंक रेट में गिरावट के लक्षण नहीं हैं तो रुपए जैसी कमजोर मुद्राओं पर लगातार दबाव रहेगा। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की भविष्यवाणी है कि साल भर में हमारा रुपया डालर के मुकाबले सवा रुपया और गिरेगा। इसका सीधा असर हमारे आयात बिल पर पड़ेगा। पिछले सितंबर से दिसंबर के तीन महीनों में रुपए को संभालने में चार लाख करोड़ से ज्यादा की लिक्वीडिटी कम हुई है अर्थात बाजार में नकदी कम हुई है। लेकिन यह मात्र करेंसी का मामला नहीं है। 20 जनवरी को जब ट्रम्प सत्ता में आएंगे तब के बाद वे काफी ऐसी चीजें करने वाले हैं जिनका हमारी पूरी अर्थव्यवस्था पर असर आएगा। इसमें नियमों का बदलाव भी है लेकिन हमारे विदेश मंत्री अमेरिका यात्रा करते हैं तो ज्यादा से ज्यादा अपने लिए शपथ ग्रहण समारोह का न्यौता जुगाड़ पाते हैं या कुछ गोपनीय मिशन पूरा करते हैं।

वामिका गब्बी ने भूत बंगला के लिए शुरू कर दी शूटिंग

वामिका गब्बी अक्षय कुमार के साथ श्भूत बंगलाश की शूटिंग के लिए जयपुर में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म का अपना लुक साझा किया है। अभिनेत्री वामिका गब्बी अक्षय कुमार की भूत बंगला के लिए शूटिंग शुरू कर दी है। वामिका इस फिल्म की शूटिंग के लिए जयपुर पहुंच गई हैं। उन्होंने सेट से अपना पहला लुक भी साझा किया है। वामिका ने अपना चेहरा कवर कर रखा है। साझा किए बीटीएस मोमेंट्स पहले ही खबरें आ चुकी हैं कि वामिका अक्षय कुमार की भूत बंगला में नजर आने वाली हैं। सेट से अब वामिका ने अपने बीटीएस मोमेंट्स शेयर किए हैं। उन्होंने लिखा कि ये नहीं चाहते कि मैं अपना लुक नहीं दिखाउंगी। फिल्म में नजर आएंगी तब्बू जयपुर शेड्यूल में शहर के प्रतिष्ठित स्थानों पर कई आउटडोर शूटिंग शामिल होने की उम्मीद है। अगर ऐसा होता है तो तब्बू करीब 13 साल बाद अक्षय कुमार और प्रियदर्शन के साथ इस फिल्म में काम करेंगी। इससे पहले दोनों ने साल 2000 में एक साथ फिल्म हेरा फेरी में काम किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा तब्बू, परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और असरानी नजर आएंगे। फिल्म भूत बंगला की शूटिंग लगातार जारी है। हो सकता है कि फिल्म की शूटिंग अप्रैल, 2025 तक खत्म हो जाएगी। साल 2026 में रिलीज होगी फिल्म प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित, भूत बंगला का निर्माण शोभा कपूर और एकता आर कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स और अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस, केप ऑफ गुड फिल्म्स द्वारा किया गया है। फिल्म का सह–निर्माण फारा शेख और वेदांत बाली ने किया है। कहानी आकाश ए कौशिक ने लिखी है और पटकथा रोहन शंकर, अभिलाष नायर और प्रियदर्शन ने लिखी है। संवाद रोहन शंकर के हैं। श्भूत बंगलाश 2 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अक्षय कुमार 'भूल भुलैया' के बाद एक और हॉरर–कॉमेडी में दिखेंगे। दावा है कि डर और हंसी का डबल डोज शानदार होगा। अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्टर रिलीज किया है। जिसमें वो लालटेन थामे दिख रहे हैं। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अक्षय कुमार ने इसे लेकर अपडेट दिया है। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, "आज हम हॉरर कॉमेडी 'भूत बंगला' की शूटिंग शुरू कर रहे हैं, इसलिए मैं अपने पसंदीदा प्रियदर्शन के साथ सेट पर आकर बेहद उत्साहित हूं। आपके लिए ये डर और हंसी का डबल डोज 2 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में आएगा। आप सभी से शुभकामनाएं चाहिए।" प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही फिल्म श्भूत बंगलाश बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स द्वारा द्वारा निर्मित फिल्म के सह–निर्माता फारा शेख और वेदांत विकास बाली हैं। फिल्म की कहानी को आकाश कौशिक ने लिखा है। श्भूत बंगलाश 2 अप्रैल 2026 में रिलीज होगी। फिल्म की जानकारी प्रियदर्शन ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर दी थी। लिखा था, ष्14 साल बाद, मैं अपने पुराने दोस्त अक्षय कुमार के साथ एक हॉरर–कॉमेडी फिल्म के लिए फिर से जुड़ रहा हूं। इस फिल्म के माध्यम से मैं एकता कपूर के साथ पहली बार काम कर रहा हूं। कुछ खास के लिए आप सब तैयार हो जाइए! भूत बंगला।ष अक्षय कुमार श्भूल भुलैयाश में काम कर चुके हैं। प्रियदर्शन के निर्देशन में तैयार श्भूल भुलैयाश साल 2007 में रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार के साथ मिलकर किशन कुमार ने किया था। फिल्म में शाइनी आहूजा, विद्या बालन और अमीषा पटेल मुख्य भूमिका में थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। वामिका गब्बी बहुप्रतीक्षित हॉरर–कॉमेडी भूत बंगला में अक्षय कुमार के साथ शामिल हो गई हैं। पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फिल्म की शूटिंग जनवरी 2025 में शुरू होगी। अक्षय कुमार के प्रशंसकों के लिए इस घोषणा से बहुत कुछ जश्न मनाने का मौका है, क्योंकि भूत बंगला 14 साल के अंतराल के बाद प्रियदर्शन के साथ उनके सहयोग को चिह्नित करती है। यह फिल्म 2000 के दशक की शुरुआत की कॉमेडी की यादों को वापस लाने का वादा करती है, जिसमें परेश रावल, राजपाल यादव और असरानी जैसे प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं। वामिका गब्बी कथित तौर पर फिल्म में तीन मुख्य महिला कलाकारों में से एक हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि एक अंदरूनी सूत्र के अनुसार, वह इस भूमिका के लिए एकदम उपयुक्त हैं और डिजिटल स्पेस में अपने प्रभावशाली काम के लिए उन्होंने ध्यान आकर्षित किया है। सूत्र ने इस बात पर प्रकाश डाला कि बेबी जॉन जैसी परियोजनाओं में शामिल होने के बाद वामिका नाट्य फिल्मों में एक महत्वपूर्ण सफलता की कगार पर हैं। भूत बांग्ला में उनके किरदार से दर्शकों के बीच हंसी की लहर दौड़ जाने की उम्मीद है। वामिका के अलावा, भूत बंगला में दो और अभिनेत्रियाँ होंगी। इस फिल्म को हॉरर तत्वों के साथ एक कॉमेडी फिल्म बताया जा रहा है, जो एक घर में एक साथ रहने वाली तीन महिलाओं के इर्द–गिर्द घूमती है, जिनके इर्द–गिर्द परेश रावल, राजपाल यादव और असरानी जैसे अनोखे कलाकार हैं। कास्टिंग प्रक्रिया अभी भी जारी है, जिससे कलाकारों में और भी रोमांचक लोगों के जुड़ने का संकेत मिल रहा है। भूत बंगला का निर्माण जनवरी 2025 में शुरू होने वाला है, जिसे 2025 के अंत में रिलीज करने की योजना है। इस नए उद्यम को शुरू करने से पहले, अक्षय कुमार हाउसफुल 5 के एक बड़े शेड्यूल को पूरा कर रहे हैं, जिसमें इस नवंबर में मुंबई में 50 दिनों की शूटिंग शामिल है। वह एक और रिलीज, वेलकम टू द जंगल की भी तैयारी कर रहे हैं, जो 2025 के अंत में सिनेमाघरों में आने की उम्मीद है।

प्रीतीश नंदी के निधन पर नीना गुप्ता का दुख जताने से इंकार

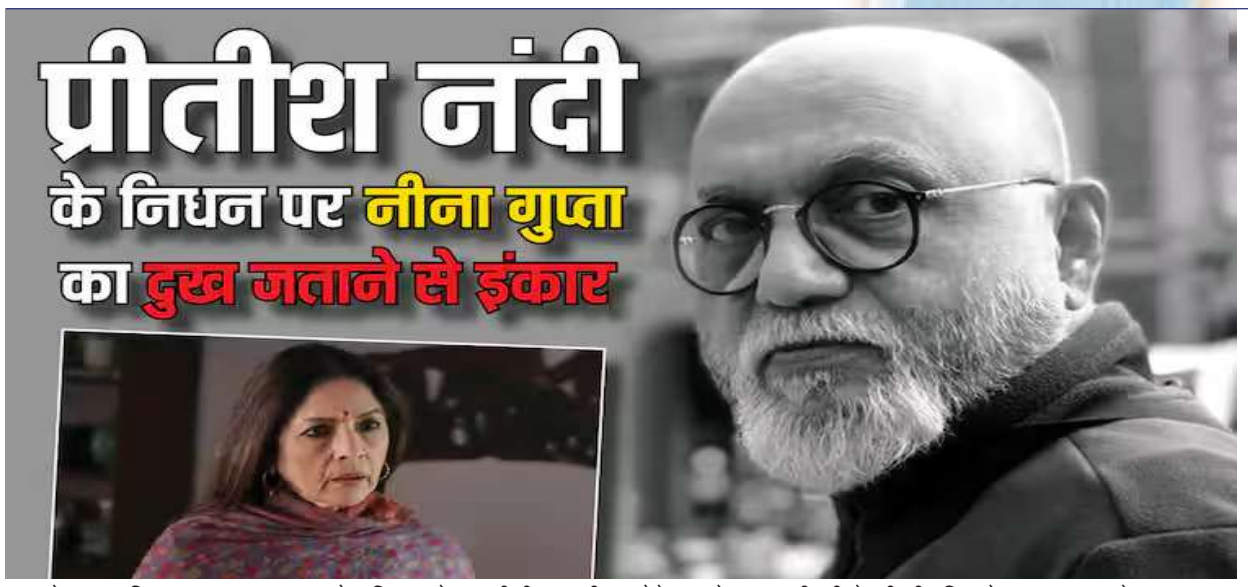

फेमस कवि, राइटर, पत्रकार और फिल्म मेकर प्रीतीश नंदी का बीते दिन निधन हो गया था. उनके सबसे करीबी दोस्त अनुपम खेर ने उनके निधन की जानकारी देते हुए एक दिल दहला देने वाला नोट शेयर किया था. तमाम सेलेब्स भी फिल्म मेकर के निधन पर दुख जता रहे हैं. हालांकि वहीं नीना गुप्ता ने नंदी के निधन पर दुख जताने से इंकार कर दिया. इतना ही नहीं उन्होंने दिवंगत फिल्म मेकर को काफी भला बुरा भी कहा. अनुपम खेर ने प्रीतीश नंदी के लिए लिखा एक अलविदा नोट 8 जनवरी, 2024 को अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने सबसे अच्छे दोस्त प्रीतीश नंदी के निधन पर दुख जताते हुए एक लंबा नोट पोस्ट किया. अनुपम ने भावुक होते हुए लिखा, ष्मेरे सबसे प्रिय और करीबी दोस्तों में से एक प्रीतीश नंदी के निधन के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ और हैरान हूं! अद्भुत कवि, लेखक, फिल्म निर्माता और एक बहादुर और यूनिक एडिटरध्जर्नलिस्ट! वह मुंबई में मेरे शुरुआती दिनों में मेरे सपोर्ट सिस्टम और मेरी स्ट्रेंथ का एक बड़ा सोर्स थे.ष अनुपम ने अपने नोट में आगे लिखा, " ष्हमने बहुत सी बातें एक जैसी शेयर की. वह उन सबसे निडर लोगों में से एक थे जिनसे मैं मिला हूं. हमेशा लार्जर देन लाइफ, मैंने उनसे बहुत सी चीजें सीखीं. पिछले कुछ समय से हम ज्यादा नहीं मिले. लेकिन एक बात थी वह समय था जब हम अलग नहीं थे! मैं कभी नहीं भूलूंगा जब उन्होंने मुझे फिल्मफेयर के कवर पर रखकर हैरान कर दिया था।वह यारो का यार की सच्ची परिभाषा थे. मैं तुम्हें और हमारे एक साथ बिताए टाइम को मिस करूंगा. ष नीना गुप्ता ने प्रीतिश नंदी के निधन पर शोक जताने से किया इंकार वहीं नीना गुप्ता ने प्रीतिश नंदी के निधन पर दुख जताने से इंकार करते हुए एक चौंकाने वाला कमेंट किया जिसने सभी को हैरान कर दिया. उन्होंने प्रीतीश नंदी पर उनकी बेटी मसाबा गुप्ता का बर्थ सर्टिफिकेट चुराकर पब्लिश करने आरोप लगाया. उन्होंने लिखा, " ष्क्या आप जानते हैं, उसने मेरे साथ क्या किया, और मैंने उसे खुलेआम बासटर्ड कह. उसने मेरी बेबी का बर्थ सर्टिफिकेट चुरा लिया था और उसे पब्लिश कर दिया था. तो कोई त्प्च नहीं, आप समझ गए, और मेरे पास इसका सबूत है.ष प्रीतीश नंदी की मौत पर नीना गुप्ता बोलीं– उसने मेरे साथ बुरा किया, छव त्प्च! करीना सहित कई सेलेब्स ने जताया दुख बता दें कि इससे पहले, नीना गुप्ता ने ट्विटर पर लोगों से नंदी का बर्थडे सेलिब्रेट ना करने की अपील की थी।

फरहान अख्तर के पिता बनने की खबर अफवाह

एक्टर–डायरेक्टर फरहान अख्तर के तीसरी बार पिता बनने की खबर अफवाह है। इस बात की पुष्टि एक्ट्रेस शबाना आजमी ने की है। दरअसल, हाल ही में खबर आई थी कि फरहान की दूसरी पत्नी शिबानी दांडेकर मां बनने वाली हैं। शबाना आजमी ने ईटाइम्स से बातचीत में कहा कि प्रेग्नेंसी की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। फरहान और शिबानी बच्चे की प्लानिंग भी नहीं कर रहे हैं। 2022 में फरहान ने शिबानी से शादी की थी फरहान ने 2022 में शिबानी दांडेकर से शादी की थी। शादी से पहले दोनों 4 साल तक रिलेशनशिप में थे और लिव इन भी रहे थे। दोनों ने 2018 में अपना रिश्ता ऑफिशियल किया था। पहली शादी से दो बेटियों के पिता हैं फरहान फरहान की शिबानी से दूसरी शादी है। उन्होंने पहली शादी हेयर स्टाइलिस्ट अधुना से 2000 में की थी। इस शादी से उन्हें दो बेटियां भी हैं। फरहान और अधुना ने 2017 में तलाक ले लिया था। फरहान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे आने वाले समय में फिल्म 120 बहादुर में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी 1962 के भारत–चीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर बेस्ड है। फिल्म में फरहान मेजर शैतान सिंह के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, फरहान की डायरेक्टोरियल फिल्म डॉन 3 भी इसी साल रिलीज होने वाली है। फिल्म में रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी लीड रोल में हैं। फरहान फिल्म जी ले जरा को लेकर भी चर्चा में हैं। हालांकि फिल्म की रिलीज या मेकिंग से जुड़ी कोई भी पुख्ता जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

डिनर नाइट पर सेनन सिस्टर्स ने ढाया कहर, थम गई फैन्स की निगाहें

पपराजी ने कृति सेनन और नूपुर सेनन को डिनर नाइट के दौरान अपने कैमर में कैप्चर किया और इस दौरान सेनन सिस्टर्स काफी प्यारी लग...

मानुषी छिल्लर ने आइस ब्लू ड्रेस में लगाया ग्लैमर का तड़का, देखें फोटोज

मानुषी छिल्लर ने आइस ब्लू स्ट्रैपलेस गाउन में दिए होश उड़ाने वाले पोजद, क्या आपने देखीं...

बीच पर ब्लैक बिकिनी और फ्लोरल प्रिंटेड श्रग में नम्रता मल्ला ने दिए सिजलिंग पोज

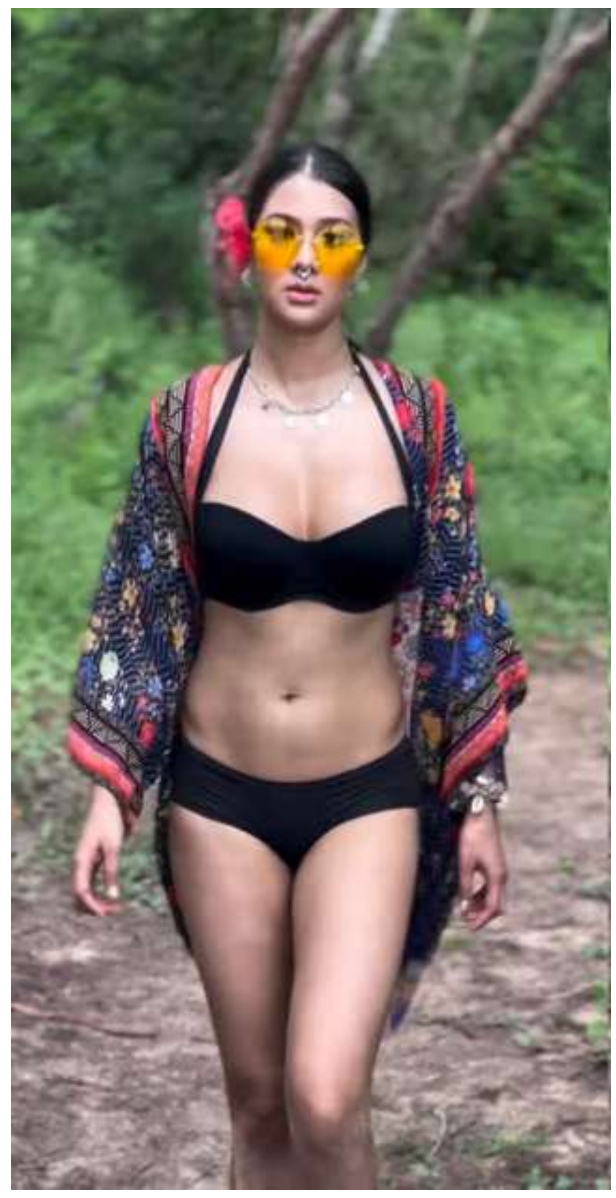

नम्रता मल्ला ने हाल ही में बीच पर वॉक करत हुए अपना एक वीडियो फैन्स के साथ शेयर किया है, जिसमें वो काफी किलर अंदाज में नजर आ...

सर्दियों में होठों की खूबसूरती बढ़ाएंगे ये ब्यूटी टिप्स

सर्दियों में चेहरे पर डार्कनेस और होंठ फटने लगते हैं। सर्दियों के मौसम में होंठ भी ज्यादा फटते हैं, इसलिए इनकी केयर के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खे अपना सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं।

सर्दियों के मौसम में हम सभी को एक्स्ट्रा स्किन केयर की जरूरत होती है। क्योंकि यह मौसम हमारी त्वचा को भी नुकसान पहुंचाता है। सर्दियों में चलने वाली ठंडी हवा हमारी स्किन की नमी को सोख लेती है। जिससे स्किन ड्राई और डल हो जाती है। सर्दियों में चेहरे पर डार्कनेस और होंठ फटने लगते हैं। सर्दियों के मौसम में होंठ भी ज्यादा फटते हैं, इसलिए इनकी केयर के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खे अपना सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे ट्राई करने में सिर्फ 5 मिनट का समय लगेगा। इन नुस्खों को आजमाने से आपके होंठ कम फटेंगे और यह सॉफ्ट और पिंक बने रहेंगे।

गुलाब की पंखुड़ियां और दूध

गुलाब की पंखुड़ियों के इस्तेमाल से स्किन सॉफ्ट होती है। वहीं दूध स्किन में नमी पैदा करता है। ऐसे में आप इन दोनों चीजों का इस्तेमाल अपने लिप्स के लिए कर सकते हैं। इसमें किसी तरह का कोई केमिकल मौजूद नहीं होता है।

लिप्स पर लगाएं गुलाब की पंखुड़ियां और दूध

गुलाब की पंखुड़ियों को अलग कर लें।

फिर इन पंखुड़ियों को पानी से साफ कर लें और 2 चम्मच दूध के साथ पीस लें।

अब इसको अपने लिप्स पर लगाएं और फिर करीब 5 मिनट बाद साफ कर लें।

इसको अप्लाई करने के कुछ समय बाद ही आपके होंठ सॉफ्ट और गुलाबी नजर आने लगेंगे।

एलोवेरा जेल और शहद

बता दें कि एलोवेरा जेल त्वचा के लिए अच्छा होता है। इसलिए आपको एलोवेरा जेल का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। एलोवेरो जेल के साथ आप शहद का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे लिप्स पर नमी बनी रहेगी।

ऐसे इस्तेमाल करें एलोवेरा जेल और शहद

सबसे पहले एक कटोरी में फ्रेश एलोवेरा जेल निकालना है।

अब इसमें 1 चम्मच शहद डालें और दोनों को अच्छे से मिक्स करें।

फिर इसको लिप्स पर लगाएं।

लिप्स पर यह लगाने के 5 मिनट बाद होंठ साफ कर लें।

इसको लगाने से होंठ पर सॉफ्टनेस आ जाएगी।

इस नुस्खे को ट्राई करने से आपके लिप्स सॉफ्ट हो जाएंगे। इससे आपको मार्केट से लिप बाम लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही आपके होंठ सर्दी से बचे रहेंगे। अगर आपको कोई समस्या है, तो पैच टेस्ट जरूर करें। लेकिन इसे ट्राई करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह लेना न भूलें।

डेंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए आयुर्वेदिक उपाय

डैंड्रफ की समस्या से राहत पाने के लिए आप कुछ घरेलू उपाय आजमा सकते हैं। इस समस्या से राहत पाने के लिए आप फिटकरी का इस्तेमाल कर सकते हैं। क्योंकि फिटकरी एक प्राकृतिक और प्रभावी सॉल्यूशन है।

डैंड्रफ और सिर में खुजली होना एक आम समस्या है। लेकिन जब यह समस्या लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह काफी असुविधाजनक हो जाती है। यह न सिर्फ आपके बालों बल्कि स्कैल्प की सेहत पर भी असर डालती है। इस समस्या से राहत पाने के लिए आप कुछ घरेलू उपाय आजमा सकते हैं। इस समस्या से राहत पाने के लिए आप फिटकरी का इस्तेमाल कर सकते हैं। क्योंकि फिटकरी एक प्राकृतिक और प्रभावी सॉल्यूशन है।

फिटकरी में एंटी–फंगल और एंटी–बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। स्कैल्प पर मौजूद फंगल संक्रमण और गंदगी दूर हो जाती है। यह स्कैल्प की खुजली को शांत करता है और यह डैंड्रफ के सफेद कणों को साफ रखने में सहायता करता है। फिटकरी के अलावा तुलसी और नारियल का तेल शक्तिशाली तत्व हैं, जो जीवाणुरोधी, एंटी–फंगल और मॉइश्चराइजिंग गुणों के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप ड्रैंडफ हटाने के लिए तुलसी का इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं।

स्कैल्प की सफाई के लिए ऐसे करें फिटकरी का इस्तेमाल

गर्म पानी में फिटकरी का एक छोटा टुकड़ा घोलें।

शैंपू करने के बाद इसको घोल से आखिरी बार रिंस करें।

सादे पानी से बालों को ध ोने से पहले कुछ मिनट लगा रहने दें।

यह डैंड्रफ से लड़ता है और स्कैल्प की जलन शांत करता है।

फिटकरी, तुलसी और नारियल तेल का मास्क

बता दें 2–3 बड़े चम्मच नारियल तेल गर्म करें।

अब फिटकरी का छोटा टुकड़ा डालें और इसको पूरी तरह से घुलने दें।

फिर इसमें 1 बड़ा चम्मच तुलसी का पेस्ट या तुलसी पाउडर मिलाएं।

ऐसे करें इस्तेमाल

सबसे पहले इस मिश्रण को अपने स्कैल्प पर लगाएं और फिर 5–10 मिनट तक मसाज करें।

अब इसको 1 घंटा या फिर पूरी रात लगा रहने दें और अगले दिन हल्के शैंपू से धो लें।

इस तरह से यह तरीका रूसी और खुजली से लड़ते हुए स्कैल्प को गहराई से मॉइश्चराज करता है।

फिटकरी और तुलसी स्कैल्प मास्क

तुलसी के पत्तों को सबसे पहले पानी में मिलाकर पेस्ट बना लें।

अब इस पेस्ट में 1 चम्मच पिसी हुई फिटकरी और नारियल तेल की कुछ बूंद मिलाएं।

ऐसे करें इस्तेमाल

अब इस मास्क को अपने स्कैल्प पर समान रूप से लगाएं और इसको 20 मिनट तक लगा रहने दें।

मास्क सूख जाए तो फिर बालों को गुनगुने पानी से धो लें।

यह मास्क जलन को शांत करता है और स्कैल्प को साफ करता है। इससे डैंड्रफ प्रभावी रूप से कम होता है।

डैंड्रफ से लड़ने वाला रिंस

बता दें कि तुलसी के पत्तों को पानी में उबाल लें और फिर इसको ठंडा होने के लिए रख दें।

तुलसी के पानी में फिटकरी का एक छोटा टुकड़ा घोलें और 1 चम्मच नारियल का तेल मिलाएं।

ऐसे करें इस्तेमाल

शैंपू करने के बाद इसको लास्ट रिंस के रूप में इस्तेमाल करें।

इसको अपने स्कैल्प पर मसाल करें और सादे पानी से धोने से पहले 5 मिनट के लिए छोड़ दें।

यह रिंस डैंड्रफ पैदा करने वाले फंगस को खत्म करता है और आपके स्कैल्प को भी तरोताजा करता है।

स्वस्थ स्कैल्प के लिए आजमाएं टिप्स

एक्स्ट्रा ऑयल और गंदगी को हटाने के लिए बालों को नियमित रूप से माइल्ड शैंपू से धोना चाहिए।

गर्म पानी स्कैल्प से प्राकृतिक तेलों को हटा सकते हैं। इससे रूखापन हो सकता है। आपको गर्म पानी की बजाय गुनगुने पानी का उपयोग करें।

भरपूर पानी पीने ले आपके स्कैल्प और बालों को हाइड्रेट रखने में सहायता मिलती है।

स्कैल्प को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आपको अपनी डाइट में जिंक और ओमेगा 3 फैटी एसिड शामिल करें।

यह उपाय भी कारगर

फिटकरी डेड स्किन सेल्स को हटाती है और फंगल संक्रमण से लड़ती है। यह रूसी का मुख्य कारण होता है।

वहीं तुलसी बैक्टीरिया के विकास को रोकता है और स्कैल्प को संक्रमण मुक्त रखता है।

इसके साथ ही नारियल तेल जलन को शांत करने में सहायक होता है और स्कैल्प को गहरी नमी प्रदान करता है। इससे रूसी से होने वाले रूखेपन को दूर किया जा सकता है।

अलसी खाने के फायदे

ठंड के मौसम में शरीर का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है क्योंकि इस मौसम में शरीर को बीमारियां बहुत जल्दी हो जाती हैं। सर्दियों में सही खान–पान शरीर को गर्म और एनर्जेटिक बनाए रखने में मदद करता है। इस मौसम में अलसी के बीज को डाइट में शामिल करना स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। अलसी के बीज पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इनमें ओमेगा–3 फैटी एसिड, फाइबर, प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट्स और लिग्नान की भरपूर मात्रा पाई जाती है। ये बीज न केवल शरीर को ठंड से बचाने में मदद करते हैं, बल्कि हार्ट, त्वचा, बालों और पाचन तंत्र के लिए भी लाभकारी होते हैं।तो आइए जानते हैं सर्दियों में अलसी के बीज के फायदे।

अलसी के बीज के फायदे

इम्यूनिटी सिस्टम और हड्डियों को मजबूत बनाता है

अलसी के बीज कैल्शियम, फास्फोरस और ओमेगा–3 फैटी एसिड्स से भरपूर होते हैं। ये चीजें हड्डियों की सेहत को सुधारने में मदद करते हैं। रोजाना अलसी के बीज खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं और उनमें सूजन कम होती है। सर्दियों में इम्यून सिस्टम को मजबूत रखना बेहद जरूरी है। अलसी के बीज में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और लिग्निन इम्यून डिसीस को बढ़ाते हैं और सर्दी–जुकाम जैसे सामान्य संक्रमण को होने से रोकते हैं।

जोड़ों का दर्द कम करता है

अलसी में एंटी–इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो जोड़ों में सूजन और दर्द को कम करने में मदद करते हैं। यह गठिया और ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसी समस्याओं में राहत पहुंचाता है।इन बीजों में मौजूद ओमेगा–3 फैटी एसिड और प्रोटीन शरीर को ठंड के मौसम में एनर्जी देता हैं।

दिल की सेहत के लिए

अलसी के बीज में फाइबर और ओमेगा–3 फैटी एसिड्स होते हैं, जो दिल की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हैं। ये ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और कोलेस्ट्रॉल के लेवल को बैलेंस रखने में मदद करते हैं।

स्किन और बालों के लिए फायदेमंद

सर्दियों में स्किन रूखी और बाल बेजान हो जाते हैं। अलसी के बीज ओमेगा–3 और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, जो त्वचा को निखारने और बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

पाचन सुधारते हैं

सर्दियों में पाचन प्रक्रिया धीमी हो जाती है, जिससे कब्ज और इनडाइजेशन की समस्या हो सकती है. अलसी के बीज में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को सुधारने और पेट साफ करने में मदद करते हैं।

कैसे खाएं अलसी के बीज?

अलसी के बीज को कच्चा खाया जा सकता है, या फिर इनका पाउडर बनाकर दही, स्मूदी, सलाद या जूस में मिलाया जा सकता है। आप इन्हें ताजे फलों के साथ भी खा सकते हैं। इन बीजों को भूनकर भी खाया जा सकता है, जो स्वाद में भी अच्छा लगता है या फिर आप अलसी के लड्डू बना कर भी खा सकते हैं, खाने में टेस्टी और सेहत के लिए फायदेमंद।

नोट

अलसी के बीजों को ज्यादा मात्रा में नहीं खाना चाहिए, क्योंकि इनमें फाइटोएस्ट्रोजेन होते हैं, जो शरीर में हार्मोनल बदलाव ला सकते हैं।हमेशा ताजे और अच्छी क्वालिटी के अलसी के बीज खरीदें। अलसी के बीज सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं, खासकर हड्डियों और जोड़ों की सेहत के लिए। सादियों में इन्हें अपनी डाइट का हिस्सा बनाकर आप अपनी हड्डियों को मजबूत बना सकते हैं।

हार्ट अटैक के लक्षण, कारण और उपचार

सर्दी के मौसम में बहुत सारी हैल्थ प्रॉब्लम होने का खतरा बना रहता है। ठंड के इस मौसम में हार्ट अटैक आने का जोखिम भी बहुत बढ़ जाता है। ब्लड सर्कुलेशन कम हो जाता है इसलिए इस मौसम में कुछ खास बातों का ख्याल रखना जरूरी रहता है। अगर आप अभी तक इन बातों का

ख्याल नहीं रख रहे तो अब रखना शुरू कर दें।

सर्दी में क्यों बढ़ जाता है हार्ट अटैक का खतरा?

एक्सपर्ट के अनुसार, सर्दियों मे ठंड के चलते लोग फिजिकल एक्टिविटी कम करते हैं, जिसके कारण बीपी व कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ जाता है और यही हार्ट डिजीज का प्रमुख कारण बनता है। इसी के साथ खाने–पीने से जुड़ी लापरवाही जैसे बहुत ज्यादा फैट्स और कैलोरी वाला खाना दिल को नुकसान पहुंचाता है। प्रोसेस्ड फूड भी दिल को प्रभावित करता है।

स्ट्रेस और डिप्रेशन की समस्या भी सर्दी के मौसम में बढ़ जाती है और ये मानसिक तनाव भी हार्ट डिजीज को बढ़ावा देते हैं। सर्दी के मौसम में खांसी सर्दी जैसी सामान्य बीमारियां भी हार्ट डिजीज को बढ़ा सकती हैं क्योंकि बॉडी में इन्फ्लेमेशन बढ़ने से दिल पर अधिक दबाव पड़ता है इसके कारण भी हार्ट अटैक आ सकता है।

सर्दियों में हार्ट अटैक से बचने के लिए उपाय

ज्यादा ठंड होने पर सुबह जल्दी ना उठें और जल्दी स्नान ना करें। नहाने के लिए गुनगुने गर्म पानी का इस्तेमाल करें। अगर आप बीपी और शुगर के मरीज है तो इस बात का खास ख्याल रखें।

इसी के साथ झटके से एकदम ना उठें। सबसे पहले लेफ्ट साइड करवट लें, फिर उठकर कुछ मिनट बेड पर बैठें।

सुबह के समय 2 से 5 मिनट ताली जरूर बजाए। ताली बजाना एक शक्तिशाली मानसिक और शारीरिक उत्तेजक है क्योंकि ताली बजाने से आपकी ऊर्जा का चक्र एक्टिव हो जाता है जिससे ब्लड सर्कुलेशन भी सही होता है।

ठंड के मौसम में गुड़ का सेवन स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। यह शरीर में गर्माहट बनाए रखता है और इसी के साथ मौसमी फलों और सब्जियों का सेवन करें।

इसी के साथ सुजोक प्वाइंट को जरूर रोजाना प्रेस करें।

यह आपके दिल को हैल्दी रखेगा। यह प्वाइंट आप दोनों हाथों में दबा सकते हैं।

ठंड के मौसम में रात का खाना हल्का खाना चाहिए। साथ ही 7 बजे तक रात का भोजन कर लेना चाहिए। इसे कई बीमारी खास कर पेट और हदय से संबंधित तकलीफों से आप बचते हैं।

शरीर को गर्म रखें। घर का तापमान आरामदायक रखें और ऊनी कपड़े, मोजे और दस्ताने पहनें। सिर को गर्म रखने के लिए टोपी पहनें।

हार्ट पेशेंट हैं तो सर्दी के मौसम मे हैवी एक्सरसाइज ना करें लेकिन हल्की–फुल्की सैर, योग, और स्ट्रेचिंग जैसी एक्टिविटी जरूर करें।

हार्ट अटैक से बचाव का एक अहम रोल आपका संतुलित आहार निभाता है। संतुलित आहार में हरी सब्जियां, फल, और फाइबर युक्त भोजन का सेवन करें। फैटी और ऑयली भोजन खाने से बचें।

ज्यादा नमक खाने से बचें क्योंकि इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है।

शराब और धूम्रपान को ना कहें। शराब दिल की धड़कन को असामान्य कर सकती है जबकि धूम्रपान से रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं।

याद रखें यह बात

अगर आपका बीपी पहले ही बढ़ता कम होता रहता है या फिर सांस फूलने व छाती में जकड़न की समस्या रहती है तो डाक्टरी चेकअप करवाना ना भूलें। स्वास्थ्य से जुड़ी सलाह या जांच के लिए, किसी पेशेवर डॉक्टर से बात करें

संक्षिप्त

आरबीआई: खाद्य महंगाई पर नजर रखने की जरूरत, बेहतर कृषि संभावनाओं से समर्थित ग्रामीण मांग में लगातार तेजी जारी

घरेलू मांग के मजबूत होने से देश की आर्थिक वृद्धि फिर से बढ़ने की ओर अग्रसर है। हालांकि, खाद्य महंगाई पर निगरानी की जरूरत है। आरबीआई ने बुलेटिन में कहा, 2025 के लिए आर्थिक दृष्टिकोण अलग–अलग देशों में भिन्न हैं। अमेरिकी अर्थव्यवस्था की गति धीमी है।ग्यूरोप व जापान में मामूली सुधार हो रहा है। बुलेटिन के अनुसार, 2024–25 की दूसरी छमाही में देश की आर्थिक गतिविधियों वाले उच्च संकेतकों में तेजी आई है। यह तेजी राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के पहले वार्षिक अग्रिम अनुमानों में वास्तविक जीडीपी की वृद्धि में भी दिखी है। दिसंबर में लगातार दूसरे महीने महंगाई में कमी आई है। देखा जाए तो ग्रामीण मांग में तेजी जारी है जो बेहतर कृषि संभावनाओं से समर्थित है। बुनियादी ढांचे पर सार्वजनिक पूंजीगत खर्च में पुनरुद्धार से प्रमुख क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा मिलने की संभावना है। लेख में आरबीआई के विचार नहीं हैं। यह लेखकों के अपने विचार हैं। दिसंबर में लगातार दूसरे महीने हेडलाइन मुद्रास्फीति में कमी आई, जिसका कारण सर्दियों में फलों और सब्जियों की अधिकता और उनकी कीमतों में कमी आना है। भारतीय रिजर्व बैंक (त्तप्) के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा द्वारा लिखे गए एक लेख में कहा गया है कि यह समय उपभोक्ता मांग को बढ़ावा देने और निवेश में तेजी लाने के लिए उपयुक्त है। साथ ही इस लेख में यह भी कहा गया कि 2024–25 की दूसरी छमाही में आर्थिक गतिविधि में तेजी के संकेत मिल रहे हैं, जो कि भारतीय राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (छैए) के अनुमानों से भी साफ होता है। लेख में बताया गया कि कॉर्पोरेट भारत 2024–25 की पहली छमाही के मुकाबले तीसरी तिमाही में बेहतर राजस्व और आय वृद्धि की उम्मीद कर रहा है। इसके अलावा, निफ्टी 50 कंपनियों का शुद्ध लाभ तीन तिमाहियों में सबसे तेज़ बढ़ने की संभावना है। विशेष रूप से बैंकिंग, वित्त और बीमा कंपनियों से अच्छे नतीजों की उम्मीद है। इसके अलावा, गैर–सूचीबद्ध कंपनियाँ भी तेज़ राजस्व वृद्धि के साथ अपनी सूचीबद्ध कंपनियों से आगे निकल सकती हैं।

धोखाधड़ी–साइबर अपराध रोकने के लिए दो पहल, अब लेन–देन के लिए 1600 वाले नंबर से ही आएगी बैंक की कॉल

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी बैंकों को ग्राहकों को लेन–देन संबंधी कॉल करने के लिए सिर्फ 1600 से शुरू होने वाली फोन नंबरिंग शृंखला का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए। प्रचार उद्देश्यों में बैंक व विनियमित संस्थाएं वॉयस कॉल व एसएमएस के लिए सिर्फ 140 से शुरू होने वाली नंबरिंग शृंखला का ही इस्तेमाल करेंगी। वित्तीय धोखाधड़ी रोकने के मकसद से यह कदम उठाया गया। रिजर्व बैंक ने परिपत्र में कहा कि अपराधी ग्राहक के मोबाइल नंबर का दुरुपयोग कर धोखाधड़ी कर रहे हैं। वॉयस कॉल व एसएमएस के जरिये भी धोखाधड़ी की घटनाएं हुई हैं। मोबाइल फोन पर आने वाली फर्जी कॉल व साइबर धोखाधड़ी से बचाने के लिए दूरसंचार विभाग ने संचार साथी एप लॉन्च किया है। इसके जरिये साइबर धोखाधड़ी की सीधे रिपोर्ट कर सकेंगे। मोबाइल फोन खो जाने पर इसे इस एप की मदद से खोजा जा सकेगा। दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को एप लॉन्च करते हुए कहा कि एप में हर ग्राहक की गोपनीयता व सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा गया है। 2023 में संचार साथी पोर्टल लॉन्च किया था, जो प्रभावी साबित हुआ है। नया एप धोखाधड़ी से बचाने के प्रयासों को दोगुना कर देगा।

महाकुंभ मेला में श्रद्धालुओं के लिए लॉन्च किया गया ब्लिंकिट का अस्थायी स्टोर

महाकुंभ में संगम के तट पर श्रद्धालुओं का बड़ी संख्या में जमघट लग रहा है। महाकुंभ में लोगों को किसी तरह की परेशानी ना हो इसका ध्यान रखते हुए अब ब्लिंकिट ने अपनी सेवाएं महाकुंभ के इलाके में देने का फैसला किया है। ब्लिंकिट ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों की जरूरतों का ध्यान रखते हुए प्रयागराज में महाकुंभ मेले में 100 वर्ग फुट का एक अस्थायी स्टोर की शुरुआत की है। एक्स पर एक पोस्ट में, ब्लिंकिट के सीईओ अलबिंदर ढींडसा ने विवरण साझा करते हुए कहा कि स्टोर आवश्यक वस्तुएं प्रदान करेगा और अरैल टेंट सिटी, डोम सिटी, आईटीडीसी लक्जरी कैंप, देवरख और इवेंट के अन्य प्रमुख स्थानों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में वितरित करेगा। ढींडसा ने 17 जनवरी को अपने पोस्ट में कहा, ष्आज हमने तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की सेवा के लिए प्रयागराज के महाकुंभ मेले में एक अस्थायी ब्लिंकिट स्टोर खोला है। यह 100 वर्ग फीट का स्टोर है, जो अरैल टेंट सिटी, डोम सिटी, आईटीडीसी लग्जरी कैंप, देवरख और महाकुंभ मेले के अन्य प्रमुख क्षेत्रों में सामान पहुंचाएगा।ष इस पोस्ट में स्टोर की एक तस्वीर भी शामिल है। स्टोर पर उपलब्ध वस्तुओं में पूजा की आवश्यक वस्तुएं, दूध, दही, फल, सब्जियां (उपभोग और दान दोनों के लिए), चार्जर, पावर बैंक, तौलिए, कंबल, चादरें और यहां तक घ्कि त्रिवेणी संगम जल की बोतलें भी शामिल हैं। दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक समागम महाकुंभ मेला 13 जनवरी को प्रयागराज में शुरू हुआ और 26 फरवरी को समाप्त होगा। 144 साल के अंतराल के बाद हो रहा 45 दिवसीय महाकुंभ गंगा, यमुना और रहस्यमयी सरस्वती नदियों के संगम पर शुरू हुआ। इस आयोजन में 45 करोड़ से ज़्यादा श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए गिल उपकप्तान बने, करुण–नीतीश और संजू को जगह नहीं, शमी की हुई वापसी

मुंबई, एजेंसी। शनिवार को चौंपियंस ट्रॉफी 2025 और इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान हो चुका है। मुंबई में मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा ने टीम की घोषणा की। रोहित ने भारत के व्यस्त शेड्यूल पर कहा, शपिछले 6–7 वर्षों में, ऐसा ज्यादा समय नहीं रहा जब सीनियर टीम के खिलाड़ियों को क्वालिटी टाइम बिताने का समय मिला हो। जब आप इतने वर्षों में इतना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं, तो आपको कुछ समय की छुट्टी की भी जरूरत होती है। कोई भी इसके लिए समय नहीं लेता है।

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जसप्रीत बुमराह की फिटनेस और उपलब्धता पर कहा, श्हम जसप्रीत बुमराह की फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं और फरवरी की शुरुआत में बीसीसीआई की मेडिकल टीम से उनकी स्थिति के बारे में पता चलेगा। हर्षित राणा को इंग्लैंड वनडे सीरीज के लिए बुमराह के बैकअप के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। अगरकर ने कहा कि उम्मीद है कि बुमराह चौंपियंस ट्रॉफी तक फिट हो जाएंगे। रोहित ने कहा, बुमराह अगर नहीं खेलते हैं तो उनकी अनुपस्थिति में हम एक ऐसा गेंदबाज चाहते थे जो शुरुआत और अंत दोनों में गेंदबाजी कर सके। शमी वापस आ गए हैं और नई गेंद नहीं होने पर सिराज का प्रभाव थोड़ा कम हो जाता है। हम केवल तीन तेज गेंदबाज ले रहे हैं क्योंकि हम कई ऑलराउंडर को मौका दे रहे हैं।

सैमसन, सिराज के लिए कोई जगह नहीं

संजू सैमसन और मोहम्मद सिराज दो बड़े नाम हैं जो भारत की टीम में शामिल नहीं हैं। सिराज ने पिछले कुछ समय में काफी गेंदबाजी की है। इस वजह से हो सकता है उन्हें आराम दिया गया हो। इसके अलावा करुण नायर, नीतीश रेड्डी को भी जगह नहीं मिली है। शमी की वनडे में वापसी हुई है।

क्यों बने उकप्तान

अगरकर ने बताया गिल अगरकर ने गिल को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज और चौंपियंस ट्रॉफी के लिए उकप्तान बनाए जाने की घोषणा करते हुए कहा कि टीम में फिटनेस की समस्या है। इसके अलावा कोई और वजह नहीं है। इंग्लैंड सीरीज से गिल को थोड़ा अनुभव भी मिल सकेगा।

भारतीय टीम इस प्रकार है

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह (हर्षित राणा इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान बुमराह को रिप्लेस करेंगे। बुमराह इस सीरीज में नहीं खेलेंगे) , मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा।

घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे विराट कोहली ?

रणजी ट्रॉफी के लिए दिल्ली की प्रारंभिक टीम में नाम शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का नाम सौराष्ट्र के खिलाफ दिल्ली के अगले रणजी ट्रॉफी मुकाबले के लिए 22 सदस्यीय प्रारंभिक टीम में शामिल है। 23 जनवरी से राजकोट में होने वाले इस मुकाबले में कोहली के खेलने पर संशय बरकरार है क्योंकि उन्हें हल्की चोट लगी है। समझा जाता है कि कोहली ने दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के शीर्ष अधिकारियों को बताया उन्हें गर्दन में चोट लगी है। बताया जा रहा है कि कोहली को यह चोट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के अंतिम मुकाबले के दौरान लगी थी। उनका हाल उस वक्त फिजियो ने जाना था और अबतक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि कोहली रणजी ट्रॉफी में खेलेंगे या नहीं। कोहली मैच में खेलेंगा या सिर्फ कुछ दिन के लिए ट्रेनिंग करने राजकोट जाएंगे, ये तभी स्पष्ट होगा जब वह अपनी स्थिति डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली को बताएंगे। कोहली ने दिल्ली के लिए लाल गेंद के प्रारूप में मैच आखिरी बार 2012 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला था। इसके एक साल बाद सचिन तेंदुलकर ने लाहली में हरियाणा के खिलाफ अपना आखिरी रणजी मैच खेला।

पंत ने ठुकराई दिल्ली की कप्तानी

वहीं, भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत करीब आठ साल बाद रणजी ट्रॉफी में खेलते नजर आएंगे। हालांकि, बताया जा रहा है कि उन्होंने कप्तानी करने से मना कर दिया है इसका मतलब है कि आयुष बडोनी टीम की कमान संभालेंगे। डीडीसीए की शीर्ष परिषद के सदस्य ने कहा, पंत का मानना है कि बडोनी को ही टीम की कप्तानी करनी चाहिए। उनका कहना है कि वह नियमित रूप से उपलब्ध नहीं रहते हैं इसलिए उन्हें लीडरशीप रोल नहीं देना चाहिए। जब पंत को कप्तानी की पेशकश की गई तो उसने कहा कि वह बडोनी की कप्तानी में खेलकर खुश हैं। हमने 22 खिलाड़ी चुने हैं जिनमें पांच अंडर 23 खिलाड़ी हैं जो 25 जनवरी से छत्तीसगढ के खिलाफ सीके नायुडू अंडर 23 मैच के लिए भिलाई जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य कर दिया है। यशस्वी जायसवाल मुंबई के लिए और शुभमन गिल पंजाब के लिए खेल रहे हैं। रोहित शर्मा मुंबई रणजी टीम के साथ अभ्यास कर रहे हैं हालांकि उनका खेलना अभी तय नहीं है।

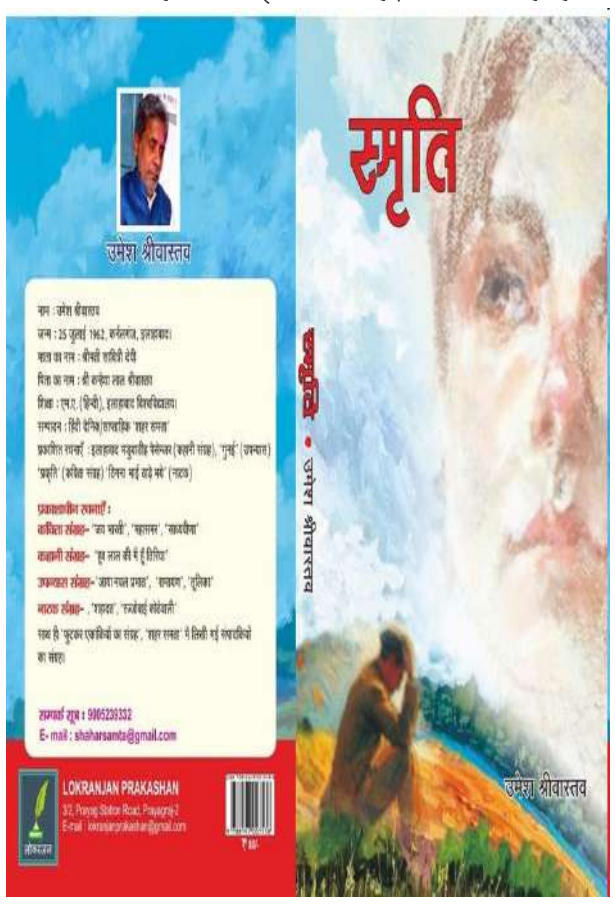

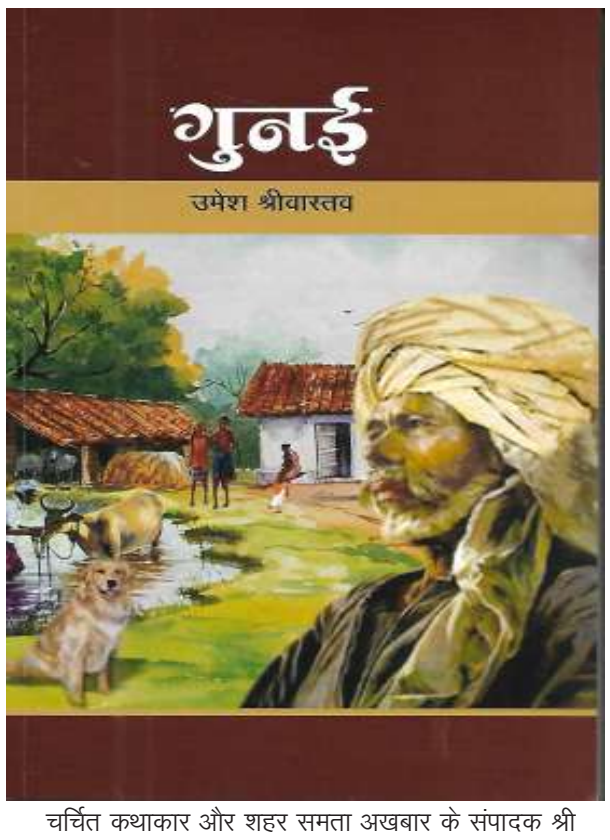

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

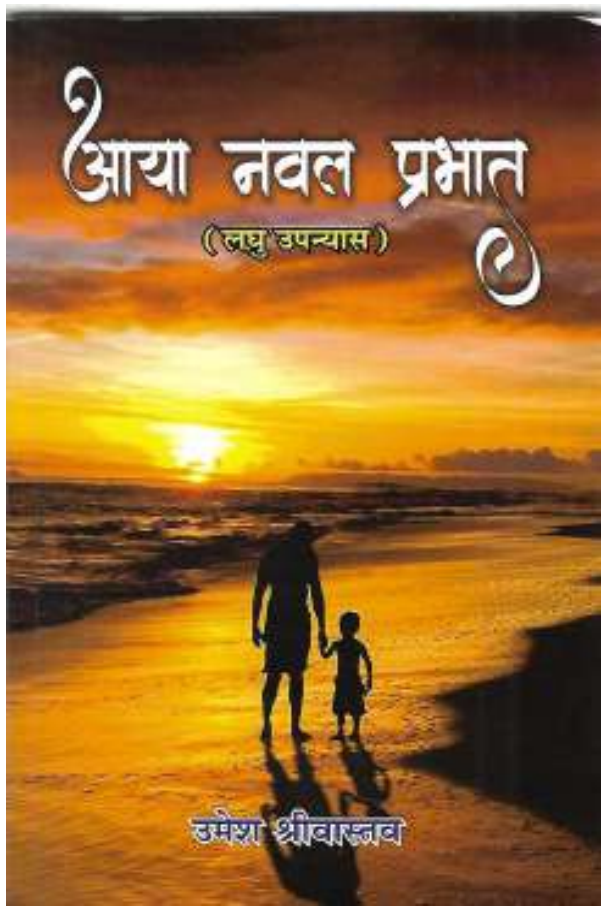

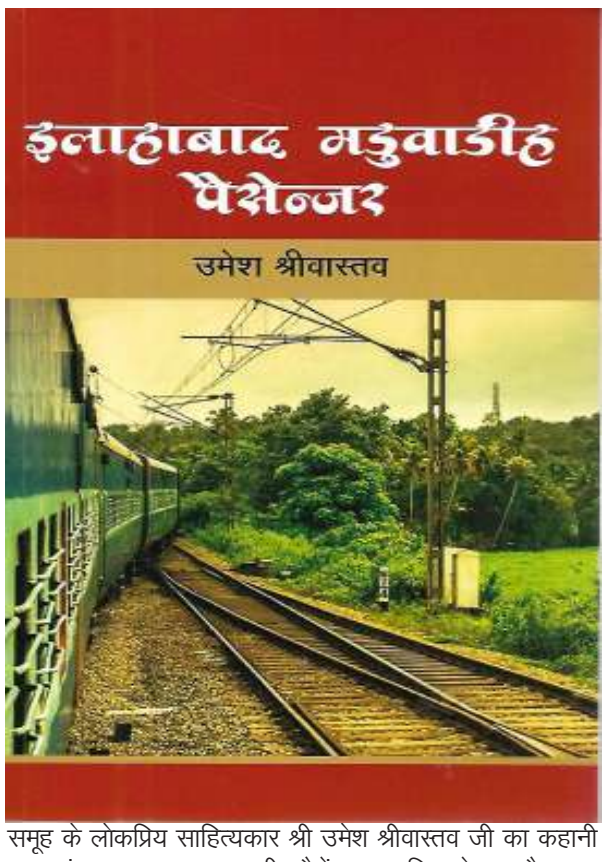

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

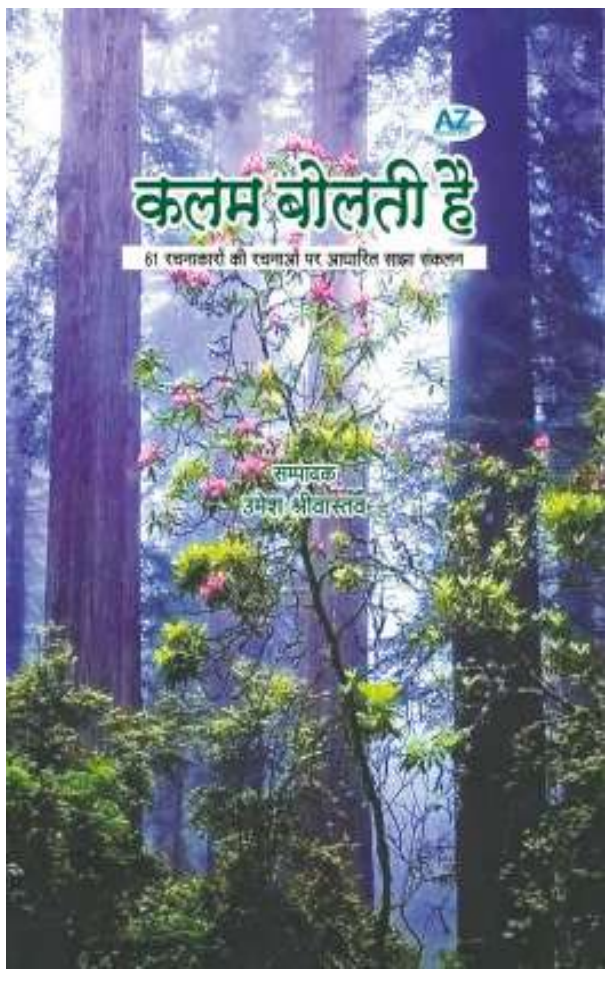

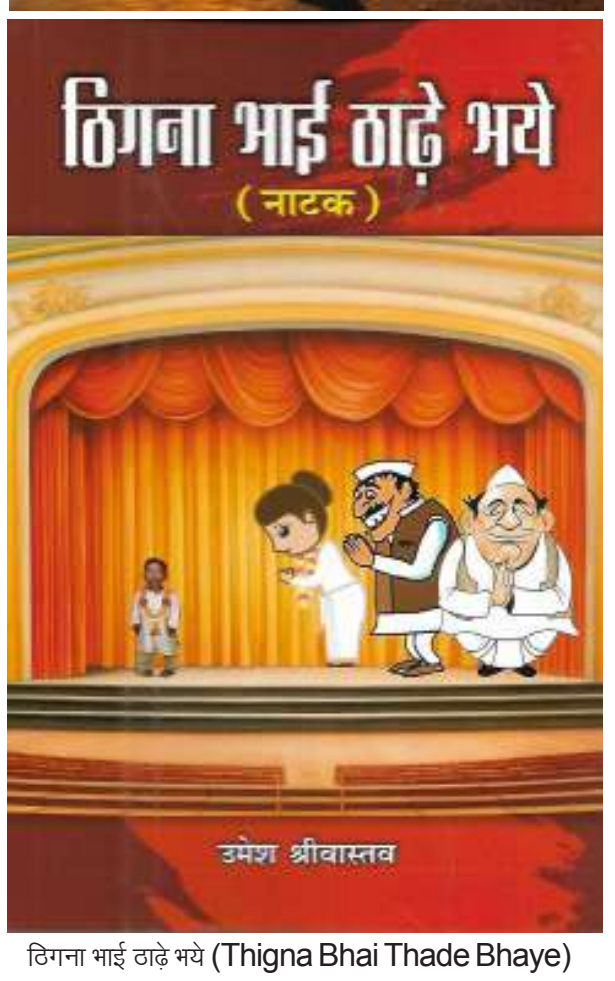

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

भारत से कर दी तुलना, पाकिस्तानी सेना ने 3 पत्रकारों को सरेआम फांसी पर चढ़ा दिया ?

बीते कुछ दिनों से पाकिस्तान के कुछ महशूर पत्रकार रहस्मय तरीके से गायब हैं। उनसे जुड़ी कोई जानकारी किसी के पास नहीं है। लेकिन इसी बीच ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर के इशारों पर इन पत्रकारों को अगवा किया गया और फिर इन्हें सूली पर लटका दिया है। उनका दोष बस इतना था कि ये पत्रकार अपनी रिपोर्टिंग में पाकिस्तान का सच दिखाते थे। पाकिस्तानी हुक्मरानों को बेपर्दा करते थे। भारत के खिलाफ पाक फौज और आईएसआई की खूनी साजिश का पर्दाफाश करते थे। तभी पाकिस्तानी इन पत्रकारों को भारत का एजेंट करार देते थे। लेकिन बड़ा सवाल ये है कि क्या भारत का नाम लेने भर से शहबाज शरीफ ने पाकिस्तानियों को फांसी दे दी? पाकिस्तानी पत्रकार, सना अमजद, शोएब चौधरी, नाईला खान को लेकर दावा किया जा रहा है कि शहबाज शरीफ और जनरल आसिम मुनीर ने फांसी पर लटका दिया है। यानी सीधे मौत दे दी। ये बात तो किसी से छिपी नहीं है कि पाकिस्तान में आजादी सिर्फ सरकारी दस्तावेजों में है। असल में पाकिस्तान में सच बोलना सबसे बड़ा गुनाह है। तभी तो पाकिस्तान के कुछ यूट्यूबर जो न किसी संस्था से जुड़े थे और न ही किसी चौनल से बस माइक लेकर पाकिस्तान की गली गली में घूमते थे। पाकिस्तानी आवाम की आवाज को दुनिया से रूबरू करवाते थे। लेकिन दावा किया जा रहा है कि इन्हीं पाकिस्तानी पत्रकारों को पाक फौज और आईएसआई ने सूली पर लटका दिया वो भी शहबाज और मुनीर के ऑर्डर पर। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि इन यूट्यूबर्स को सच दिखाने की पाकिस्तान से हिंदुस्तान की तुलना करने की सजा मिली। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट में जो दावा किया जा रहा है उसके मुताबिक पाक फौज और आईएसआई ने पहले पाकिस्तानी पत्रकारों को धमकी दी फिर पत्रकारों को उनके घर से किडनैप किया गया। अब पत्रकारों को फांसी पर लटकाने का दावा किया जा रहा है। मशहूर पाकिस्तानी पत्रकार आरजू काजमी ने अपने चौनल पर खुद दावा किया कि उन्हें भी धमकी वाले कॉल आए। घर से उठाने की चेतावनी दी गई। आरजू काजमी सही सलामत हैं। लेकिन आरजू काजमी ने भी दावा किया कि पाकिस्तान के पत्रकारों को डराने धमकाने के साथ उन पर एक्शन लेना भी शुरू हो चुका है। पाकिस्तान में सना अमजद, शोएब चौधरी, नाईला खान जैसे यूट्यूब पत्रकारों के साथ कुछ तो गलत हुआ है और कोई न कोई अनहोनी तो हुई है। सना अमजद के यूट्यूब प्रोफाइल पर जाएंगे तो आपके देखेंगे की उसमें सबसे लेटेस्ट वीडियो दो हफ्ते पहले का है। 31 दिसंबर को पोस्ट किए गए आखिरी वीडियो में अफगानिस्तान के पाकिस्तान पर किए गए हमले का जिक्र है। मतलब ये कि 31 दिसंबर के बाद से सना अमजद ने अपने चौनल पर एक भी वीडियो पोस्ट नहीं किया है। नाइला पाकिस्तानी रिएक्शन नाम से यूट्यूब चौनल चलाने वाली पाकिस्तानी पत्रकार नाइला खान के चौनल पर आखिरी वीडियो तीन हफ्ते पहले डला है। 26 दिसंबर 2024 को अपलोड किया गया वीडियो भी अफगानिस्तान अटैक पर ही था। ठीक इसी तरह शोएब चौधरी के यूट्यूब चौनल पर आखिरी वीडियो दो हफ्ते पहले यानी 29 दिसंबर को डाला गया था। ये वीडियो पाकिस्तान पर टीटीपी के हमले से जुड़ी थी। गौर करने वाली बात ये है कि इससे पहले पाकिस्तान के सभी पत्रकार एक सप्ताह के भीतर दो से तीन वीडियो पोस्ट करते थे। जिनमें अलग अलग मुद्दों पर पाकिस्तानी आवाम का रिएक्शन होता था। लेकिन 31 दिसंबर के बाद से किसी भी पाकिस्तानी यूट्यूबर का वीडियो सामने नहीं आया है। तभी से आशंका जताई जा रही है कि पाकिस्तानी पत्रकार मीसिंग है। इनसे जुड़ी कोई भी जानकारी सामने नहीं आ रही है।

20–25 मिनट के अंतर से मौत से बच गई, बांग्लादेश की पूर्व पीएम हसीना का बड़ा खुलासा, बताया कैसे रची गई हत्या की साजिश

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आरोप लगाया है कि देश की सत्ता से बेदखल होने के बाद उन्हें और उनकी छोटी बहन शेख रेहाना को मारने की साजिश रची गई थी। बांग्लादेश अवामी लीग पार्टी के फेसबुक पेज पर पोस्ट किए गए एक ऑडियो भाषण में बांग्लादेश की पूर्व पीएम ने दावा किया कि वह अपनी बहन के साथ मौत से बच गईं क्योंकि उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है। उन्होंने कहा कि रेहाना और मैं बच गए। एएनआई ने हसीना के हवाले से कहा कि मुझे बस यही लगता है कि 21 अगस्त की हत्याओं से बचना या कोटालिपारा में विशाल बम से बचना, इस बार 5 अगस्त, 2024 को जीवित रहना, अल्लाह की इच्छा, अल्लाह का हाथ होना चाहिए। यद्यपि मैं पीड़ित हूं, मैं अपने देश के बिना, अपने घर के बिना हूं, सब कुछ जल गया है। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि, यह अल्लाह की रहमत है कि मैं अभी भी जिंदा हूं क्योंकि अल्लाह चाहता है कि मैं कुछ और करूं। शेख हसीना की सुरक्षा आमतौर पर बढ़ा दी गई है क्योंकि वह कई हत्या की साजिशों से बच गईं, जिसमें 2004 का ढाका ग्रेनेड हमला भी शामिल है, जो 21 अगस्त 2004 को बंगबंधु एवेन्यू पर अवामी लीग द्वारा आयोजित आतंकवाद विरोधी रैली में हुआ था। हमले में 24 लोगों की जान चली गई, जबकि 500 घ्घ्लोग घायल हो गए। यह हमला शेख हसीना द्वारा एक ट्रक के पीछे से 20,000 लोगों की भीड़ को संबोधित करने के बाद हुआ। उस समय विपक्ष की नेता रहीं हसीना को भी हमले में कुछ चोटें आईं।

अमेरिका के निचले सदन में ताइवान के साथ दोहरे कर से राहत देने वाला विधेयक पारित, जानें पूरा मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 15 जनवरी को एक विधेयक पारित किया। इसका उद्देश्य टैक्स (कर) भुगतान को कम करना, डबल टैक्सेशन (दोहरे कर) से बचना और ताइवान के व्यवसायों, निवासियों तथा कर्मचारियों के लिए कर में छूट देना है। बता दें, इस विधेयक को यूएस–ताइवान एक्सपेडाइटेड डबल–टैक्स रिलीफ एक्ट कहा गया है। यह सदन में 423–1 मतों से पारित हुआ। अब इसे अमेरिकी सीनेट में भेजा जाएगा। अगर इसे मंजूरी मिल जाती है तो यह अमेरिकी राष्ट्रपति के पास जाएगा, जिनके हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन जाएगा। विधेयक का मुख्य उद्देश्य अमेरिका और ताइवान के बीच दोहरे कर को रोकना है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह अमेरिका में रहने वाले पात्र ताइवानी निवासियों को कर छूट प्रदान करने के लिए वर्तमान अमेरिकी कर कानूनों में संशोधन करना चाहता है और अमेरिका में लाभांश और ब्याज जैसे विशिष्ट स्रोतों से आय पर रोक लगाने वाले कर की दरों को कम करना चाहता है। इस विधेयक के तहत, एक महत्वपूर्ण कदम यह होगा कि यूएस–ताइवान टैक्स एग्रीमेंट ऑथराइजेशन एक्ट को लागू किया जाएगा, जिसके तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को ताइवान के साथ कर समझौते पर बातचीत करने और उसे लागू करने का अधिकार मिलेगा। प्रतिनिधि जूडी ने कहा कि वर्तमान कानूनों के तहत ताइवान में व्यापार करने वाले अमेरिकियों को दोनों देशों में एक ही आय पर कर देना पड़ता है, जिससे हर तरह के व्यापार को नुकसान होता है। इसी तरह ताइवानी लोगों को भी दोहरा कर देना होता है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका के शीर्ष 10 व्यापारिक साझेदारों में सिर्फ ताइवान के पास दोहरे कर समझौते का अभाव है। ताइवान में अमेरिकी इंस्टीट्यूट द्वारा कराए गए एक सर्वे का हवाला देते हुए जूडी ने कहा कि 79 प्रतिशत ताइवान कंपनियों ने बताया कि आय पर दोहरे कर का नियम एक महत्वपूर्ण कारण है, जो उन्हें अमेरिका में अधिक निवेश करने से रोकता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

3 फेज में पूरी होगी सीजफायर डील, 1 चरण में हमास 33 बंधक होंगे रिहा

19 जनवरी से 1 मार्च तक गाजा में रहेगा पूरी तरह से युद्धविराम

हमास के साथ युद्धविराम समझौते को इजराइल कैबिनेट की मंजूरी ने गाजा में 15 महीने से जारी युद्ध पर विराम लगाने का रास्ता साफ कर दिया है। आपको बता दें कि 19 जनवरी से छह सप्ताह के युद्धविराम की शुरुआत हो रही है। इज़रायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कैबिनेट ने सरकार के कुछ अति–दक्षिणपंथी सदस्यों के विरोध के बावजूद, एक हाई लेवल मीटिंग के बाद युद्धविराम समझौते को स्वीकार कर लिया। इस सौदे की मध्यस्थता प्रमुख वार्ताकारों कतर और मिस्र ने की थी, जिसमें अमेरिकी अधिकारी भी सौदे में करीबी तौर पर शामिल थे। समझौते का उद्देश्य 7 अक्टूबर, 2023 को इज़राइल पर हमास के आश्चर्यजनक हमले के साथ शुरू हुए युद्ध को समाप्त करना है। युद्धविराम समझौते का पहला चरण 42 दिनों तक चलेगा और इसमें हमास द्वारा गाजा में बंधक बनाए गए 33 बंधकों को रिहा किया जाएगा। कतर के प्रधान मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल–थानी ने कहा कि बंधकों में नागरिक महिलाएं और महिला रंगरूट, साथ ही बच्चे, बुजुर्ग नागरिक, बीमार लोग और घायल शामिल होंगे। आतंकवादी समूह के करीबी दो सूत्रों ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया कि तीन इजरायली महिला सैनिक रविवार शाम को रिहा होने वाली पहली महिला होंगी, हालांकि हमास सैन्य उम्र के सभी इजरायली नागरिकों को सैनिक के रूप में संदर्भित करता है। मंत्रिमंडल की बैठक यहूदी सब्बाथ की शुरुआत के बाद हुई, जो इस मौके की अहमियत को दर्शाता है। यहूदी कानून के अनुसार, इजराइली सरकार आमतौर पर जीवन या मृत्यु के आपातकालीन मामलों को छोड़कर सब्बाथ में सभी काम रोक देती है। सब्बाथ का अर्थ होता है सप्ताह का सातवां दिन जो शुक्रवार शाम से शनिवार शाम तक यहूदियों और कुछ ईसाइयों द्वारा विश्राम और पूजा के दिन के रूप में मनाया जाता है। नेतन्याहू ने एक विशेष कार्य बल को गाजा से लौटने वाले बंधकों को लेने के लिए तैयारी करने का निर्देश दिया और कहा कि उनके परिवारों को सूचित कर दिया गया है कि समझौता हो गया है। संघर्ष विराम के दौरान सैकड़ों फलस्तीनी बंदियों को भी रिहा किया जाना है, तथा बड़े पैमाने पर तबाह हुए गाजा में मानवीय सहायता में वृद्धि होनी चाहिए। इजराइल के न्याय मंत्रालय ने रिहा किए जाने वाले 95 फलस्तीनी कैदियों की सूची प्रकाशित की और कहा कि रिहाई रविवार को स्थानीय समयानुसार शाम चार बजे से पहले शुरू नहीं होगी। सूची में शामिल सभी लोग युवा या महिला हैं।

भारत ने बना दिया ऐसा आयरन डोम, इजरायल भी देखकर रह जाएगा दंग

आपने इजरायल के आयरन डोम के बारे में खूब सुना होगा। इस एयर डिफेंस सिस्टम की फैन पूरी दुनिया है। मगर इजरायल के आयरन डोम में एक बहुत बड़ी कमी है। लेकिन इसी कमी का इलाज भारत ने ढूंढ निकाला है। भारत ने एक हथियार बनाया है। जिसने वो कर दिखाया है जो इजरायल का आयरन डोम नहीं कर पाया है। दरअसल, भारत ने एक ऐसा स्वदेशी आयरन डोम बनाया है। ऐसा माइक्रो मिसाइल सिस्टम जो काम तो आयरन डोम की तरह ही करेगा। लेकिन आयरन डोम की तरह फिजूल खर्जी नहीं करेगा। छोटे रॉकेट, ड्रोन और यूएवी पर महंगी मिसाइलों का इस्तेमाल करना कहीं से सही नहीं है। इसी का इलाज ढूंढते हुए भारत ने एक मिनट में 64 छोटी मिसाइल दागने वाला हथियार भार्गवास्त्र बना दिया है। भार्गवास्त्र के बार में आपको बताने से पहले ये बता देते है कि इजरायल के आयरन डोम की सबसे बड़ी कमी क्या है? दरअसल, हमास के आतंकी इजरायल पर छोटे रॉकेट या मिसाइल से हमला करते हैं। हमास के एक रॉकेट की कीमत 600 डॉलर होती है। लेकिन इस रॉकेट को रोकने के लिए आयरन डोम से चलने वाली तामिर मिसाइल 50 हजार डॉलर की है। कई बार तो एक ही रॉकेट को रोकने वाली दो तामिर मिसाइलें दागी जाती हैं। ऐसे में हमास तो इजरायल के ऊपर एक साथ हजारों रॉकेट दागता है। लेकिन इन रॉकेट को रोकने के लिए इजरायल को इतना पैसा खर्च करना पड़ता है। जितने में पाकिस्तान और बांग्लादेश को खरीदा जा सकता है। वैसे इजरायल को आयरन डोम चलाने के लिए अमेरिका से फंडिंग मिलती है। मगर भारत को इस तरह से कोई देश पैसे नहीं देता है। इसलिए भारत ने छोटे खतरों से निपटने के लिए सस्ता

लेकिन बेहद ही घातक हथियार बनाया है। भारत को लगा कि उसका पड़ोसी पाकिस्तान भी रॉकेट या यूएवी से हमला कर सकता है। ऐसे में भारत ने भार्गवास्त्र स्वदेशी माइक्रो मिसाइल सिस्टम बना दिया। छोटे हमलावर ड्रोन के लिए महंगी मिसाइलें इस्तेमाल करना न सिर्फ बेतुका, बल्कि फिजूलखर्ची भी होगी। इसलिए भारत ने छोटे ड्रोनों को एकसाथ नष्ट करने के लिए नया सिस्टम तैयार किया है। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इसे 'भार्गवास्त्र' नाम दिया गया है, जो छोटे ड्रोनों से निपटने का सस्ता और प्रभावी तरीका है। इससे सेना के पैसे और संसाधन बचेंगे। भारत के इस पहले स्वदेशी माइक्रो–मिसाइल सिस्टम के टेस्ट इस हफ्ते गोपालपुर समुद्री फायरिंग रेंज मे हुए, जो सफल रहे। यह 6 किमी से भी ज्यादा दूर से उड़ने वाली छोटी मशीनों और ड्रोन का पता लगा सकता है। यह मोबाइल प्लैटफॉर्म एकसाथ 64 से ज्यादा माइक्रो मिसाइलें दाग सकता है।

संक्षिप्त समाचार

जिस कैपिटल हिल में किया दंगा, अब उसी जगह ट्रंप के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे आरोपी, जज ने दी अनुमति

वॉशिंगटन, एजेंसी। छह जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद में दंगे की तस्वीरों ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया था। अब हैरानी इस बात की है कि जिन लोगों पर दंगे के आरोप लगे, अब वे ही डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने जा रहे हैं। दरअसल कई आरोपियों ने अदालत में अपील कर शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने की अनुमति देने की मांग की थी। अदालत ने भी इसकी मंजूरी दे दी है ताकि वे ट्रंप के व्हाइट हाउस में वापस लौटने का जश्न मना सकें। अमेरिकी न्याय विभाग के अभियोजकों ने इसका विरोध किया, लेकिन जज ने इसे खारिज कर दिया।

करीब 20 आरोपियों ने मांगी थी अनुमति

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कैपिटल हिल दंगे के आरोपियों में से 20 ने संघीय न्यायाधीश से, ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने की अनुमति मांगी। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि इनमें से अधिकांश को अनुमति मिल सकती है। सिर्फ कुछ आरोपियों को ही अनुमति नहीं दी गई है। न्याय विभाग के अभियोजकों ने इसका विरोध किया है और कहा कि कैपिटल हिल के दंगाइयों को अदालत की निगरानी में अपराध स्थल पर वापस जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। हालांकि जज ने कहा कि अब आरोपी दंगे के लिए नहीं बल्कि जश्न मनाने के लिए जा रहे हैं।

ट्रंप दंगाइयों को माफ करने के दे चुके हैं संकेत

11 आरोपियों को अनुमति मिल गई है। सात आरोपियों की अपील खारिज कर दी गई है। साथ ही जो लोग दंगा मामले में अपनी सजा पूरी कर चुके हैं, वे भी जाने के लिए स्वतंत्र हैं। आमतौर पर, जो लोग गिरफ्तारी, परिवीक्षा की सजा या जेल से रिहाई के बाद अदालत की निगरानी में रहते हैं, उन्हें अपने गृह जिले से बाहर यात्रा करने के लिए न्यायाधीश की स्वीकृति लेनी होती है। गौरतलब है कि ट्रंप ने ऐसे संकेत दिए हैं कि वे कैपिटल हिल दंगे के दोषियों की सजा माफ कर सकते हैं। ट्रंप ने उन्हें देशभक्त कहा है।

19 जनवरी से परिचालन होगा बंद, अमेरिका में प्रतिबंध लगने की खबरों के बीच टिकटॉक ने जारी किया बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में प्रतिबंध की बढ़ती संभावनाओं से पहले टिकटॉक ने शनिवार को एक बयान जारी किया। अपने

बयान में टिकटॉक ने बताया कि व्हाइट हाउस और न्याय विभाग सर्विस प्रोवाइडर्स को आवश्यक स्पष्टता और आश्वासन प्रदान करने में विफल रहे। टिकटॉक ने कहा कि जब तक बाइडन प्रशासन द्वारा गैर–प्रवर्तन का आश्वासन देने वाला एक निश्चित बयान प्रदान नहीं किया जाता है, तब तक टिकटॉक 19 जनवरी से अमेरिका में अपना परिचालन बंद कर देगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए टिकटॉक ने कहा, व्हाइट हाउस और न्याय विभाग सर्विस प्रोवाइडर्स को आवश्यक स्पष्टता और आश्वासन प्रदान करने में विफल रहे। जब तक बाइडन प्रशासन द्वारा गैर–प्रवर्तन का आश्वासन देने वाला एक निश्चित बयान प्रदान नहीं किया जाता है, तब तक टिकटॉक 19 जनवरी से अमेरिका में अपना परिचालन बंद करने के लिए मजबूर होगा। अमेरिका में सुरक्षा चिंताओं के कारण टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है। टिकटॉक की यह टिप्पणी अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले की पृष्ठभूमि के बीच आई है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन–पियरे ने इस बात पर जोर दिया कि कानून को लागू करने की जिम्मेदारी अब आने वाले प्रशासन पर है। शुक्रवार को अपने बयान में जीन पियरे ने कहा, प्रशासन, देश के बाकी हिस्सों की तरह टिकटॉक मामले में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहा है। टिकटॉक पर बाइडन की स्थिति कई महीनों से स्पष्ट है। सांसदों ने एक विधेयक राष्ट्रपति के के पास भेज दिया है। बयान में आगे कहा गया कि यह प्रशासन मानता है कि कानून को लागू करने की कार्रवाई अगले प्रशासन पर निर्भर होनी चाहिए। बता दें कि सोमवार यानी की 20 जनवरी से राष्ट्रपति जो बाइडन का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। उनकी जगह अब डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति का पद संभालेंगे। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कोर्ट के फैसले पर प्रसले पर प्रतिक्रिया दी थी।

हालांकि, उन्होंने प्रतिबंध को वापस लेने के लिए कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई। ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ टिकटॉक के बारे में बात करने की भी पुष्टि की।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।